CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 191 ता. 25 जनवरी 2022, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

राष्ट्रपति कोविंद ने स्थापना दिवस पर यूपी के लोगों को शुभकामनाएं दी

-प्रदेश के विकास तथा समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ते रहने की कामना भी की

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को यूपी के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और प्रदेश के विकास तथा समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ते रहने की कामना की। राज्य 24 जनवरी को 'उत्तर प्रदेश दिवस' मनाता है। 1950 में आज ही के दिन तत्कालीन संयुक्त प्रांत का नाम बदलकर उत्तर प्रदेश रखा गया था। कोविंद ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश दिवस पर राज्य के सभी निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के इतिहास, कला-संस्कृति, साहित्य तथा राजनीति में उत्तर प्रदेश के मेहनती एवं प्रतिभाशाली लोगों ने प्रभावशाली योगदान दिया है। मेरी कामना है कि यह राज्य विकास और समृद्धि के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।''

पोस्ट ऑफिस में ट्रेन बुकिंग सेवा की शुरुआत

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के द्वारा रोजाना लाखों लोग यात्रा करते हैं। रेलवे अपने यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं देता हैं, जिससे उनकी यात्रा को आसान और आरामदायक बनाया जा सके। समय-समय पर नई-नई सेवाओं की शुरुआत भी होती रहती है। हाल ही में रेलवे ने एक ऐसी सेवा की शुरुआत की है, जिससे ट्रेन की यात्रा करने जा रहे यात्रियों को काफी आराम मिलेगा। दरअसल, अब यात्री ट्रेन का टिकट नजदीकी पोस्ट ऑफिस से भी बुक करवा सकते हैं। आईआरसीटीसी ने यह सुविधा उत्तर प्रदेश में शुरू की है।पिछले दिनों रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पोस्ट ऑफिस से रेल टिकटों की बुकिंग की सेवा को हरी झंडी दिखाई थी। उत्तरप्रदेश में 9147 पोस्ट ऑफिस में ट्रेन बुकिंग सेवा की शुरुआत की गई है। इससे दूर-दराज रहने वाले लोगों को ट्रेन के टिकट की बुकिंग करवाने की सुविधा मिलेगी। इससे यात्रियों के पास ट्रेवल एजेंट के पास जाने का समय और रुपये, दोनों की बचत होगी।पोस्ट ऑफिस के द्वारा से ट्रेन का टिकट बुक करवाने की सुविधा शुरू होने की वजह से आम जनता को काफी मदद मिलने की संभावना है।जो व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है, वह आसानी से अपने नजदीकी पोस्ट ऑफिस पर जाकर ट्रेन का टिकट बुक करवा सकेगा।उस ट्रेवल एजेंट के पास नहीं जाना पड़ेगा।साथ ही, उसे रेलवे स्टेशनों पर टिकटों की बुकिंग के लिए लगने वाली लंबी लाइनों से भी छुटकारा मिल सकेगा।

चुनाव से पहले अयोध्या में रेल हादसे की आतंकी साजिश

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश सहित देश के 5 राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों और गणतंत्र दिवस से ठीक पहले अयोध्या में कथित तौर पर एक बड़े रेल हादसे को अंजाम देने की आतंकी साजिश का मामला सामने आया है। हालांकि, इस हरकत के पीछे कौन था इसका अभी पता नहीं चल सका है। घटना का खुलासा होने के बाद पुलिस के साथ ही रेलवे भी सतर्क हो गया है। जानकारी के अनुसार, अयोध्या धाम के रानोपाली रेलवे क्रॉसिंग के पास शनिवार देर रात रेलवे ट्रैक के 6 नेट खुले मिले थे। रविवार सुबह जब तक रेलवे कर्मियों की नजर पड़ी इस ओर पड़ी तब जाकर इस घटना का पता चला, तब तक कई प्रमुख ट्रेनें यहां से गुजर गईं। इसकी जानकारी मिलते ही रेलवे विभाग में मचा हड़कंप मच गया। इसके बाद आनन-फानन में ट्रैक को सही कराया गया। इस घटना को आतंकी साजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। इस घटना के बाद रेलवे अधिकारियों की ओर से रेल हादसे की आशंका व्यक्त करते हुए रेलवे सुरक्षा बल के थाना अयोध्या कैंट एवं कोतवाली अयोध्या में तहरीर दी गई है। आरपीएफ ने बोल्ट चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल इस मामले की संयुक्त जांच आरपीएफ और अयोध्या पुलिस कर रही है। जांच के बाद पता चल सकेगा कि नट-बोल्ट चोरी करने के पीछे क्या कारण है। रेलकर्मी हर सेक्शन पर सतर्क हैं।

महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का प्रयास हुआ,

अब देश गलतियां ठीक कर रहा है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें नेताजी बोस के कैन डू और विल डू की भावना से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना है

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आजादी के बाद देश की संस्कृति और संस्कारों के साथ ही अनेक महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम किया गया लेकिन देश उन गलतियों को ठीक कर रहा है। स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर इंडिया गेट पर उनकी होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 में स्वतंत्रता के सौवें वर्ष से पहले दुनिया की कोई भी ताकत देश को नए भारत के निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल करने से नहीं रोक सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें नेताजी बोस के कैन डू और विल डू की भावना से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना है। ये दुर्भाग्य रहा कि आजादी के बाद देश की संस्कृति और संस्कारों के साथ ही अनेक महान व्यक्तित्वों के योगदान को मिटाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि स्वाधीनता संग्राम में लाखों-लाख देशवासियों की तपस्या शामिल थी लेकिन उनके इतिहास को भी सीमित करने की कोशिशें हुईं पर आज आजादी के दशकों बाद देश उन गलतियों को ठीक कर रहा है। प्रधानमंत्री ने अलंकरण समारोह में वर्ष 2019, 2020, 2021 और 2022 के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार भी प्रदान किए। समारोह के दौरान कुल सात पुरस्कार प्रदान किए गए। केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में भारत में लोगों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा को पहचान देने और सम्मानित करने के लिए वार्षिक पुरस्कार की शुरुआत की है। मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने आपदा प्रबंधन को प्राथमिकता दी है। हमने राहत, बचाव और पुनर्वास पर जोर देने के साथ सुधार पर भी बल दिया है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से लेकर योजना और प्रबंधन तक, सर्वश्रेष्ठ तौर तरीकों को अपनाया गया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भारत की धरती पर पहली आजाद सरकार को स्थापित किया था, हमारे उन नेताजी की भव्य प्रतिमा आज डिजिटल स्वरूप में इंडिया गेट के समीप स्थापित हो रही है। जल्द ही इस होलोग्राम प्रतिमा के स्थान पर ग्रेनाइट की विशाल प्रतिमा भी लगेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा लोकतांत्रिक संस्थाओं, वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को उनके कर्तव्यों की याद दिलाएगी और उन्हें प्रेरित करेगी।

बिना टीकाकरण और 15 साल से कम उम्र के बच्चों को परेड में अनुमति नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देशभर में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा। दिल्ली पुलिस की ओर से जारी दिशानिर्देशों में कहा गया है कि राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने वाले लोगों का कोविड के खिलाफ पूरी तरह से टीकाकरण होना आवश्यक है। साथ ही 15 साल से कम उम्र के बच्चों को समारोह में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दिल्ली पुलिस यह भी कहा कि 26 जनवरी को राजपथ पर होने वाले कार्यक्रम में लोगों को सभी कोविड-प्रोटोकॉल का पालन करना होगा, जैसे फेस मास्क पहनना और सामाजिक दूरी बनाए रखना। दिल्ली के पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने रविवार को कहा कि गणतंत्र दिवस के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में 27,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि कुल बल में 71 पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), 213 एसीपी, 713 निरीक्षक, दिल्ली पुलिस कमांडो, सशस्त्र बटालियन अधिकारी और जवान और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 65 कंपनियां शामिल हैं। पिछले दो महीनों से दिल्ली पुलिस राष्ट्रीय राजधानी में आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है। दिल्ली हमेशा असामाजिक तत्वों के निशाने पर रही है। इस साल भी हम अलर्ट पर हैं। पिछले दो महीनों से हम अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में दिल्ली में आतंकवाद विरोधी कार्रवाई तेज कर रहे हैं।

अमेरिका ने भेजे जंगी हथियार लोगों से की ट्रैवल न करने की अपील

नई दिल्ली ।

अमेरिका और रूस के बीच जारी प्रतिद्वंद्विता के बीच यूक्रेन युद्ध का मैदान बनेगा? दोनों देशों के बयानों और तेवरों को देखते हुए यह आशंका जताई जाने लगी है। एक तरफ रूस ने अमेरिका को यूक्रेन के मसले पर ज्यादा दखल न देने की चेतावनी दी है तो वहीं अमेरिका ने इस यूरोपीय देश में जंगी हथियारों की खेप भेजना शुरू कर दिया है। यही नहीं अमेरिका की ओर से एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर लोगों से यूक्रेन न जाने की अपील की गई है। इसमें कहा गया है कि रूस की ओर से यहां मिलिट्री एक्शन का खतरा है। ऐसे में यूक्रेन जाने से बचें। यूक्रेन स्थित अमेरिकी दूतावास ने ट्रैवल एडवाइजरी में कहा, यूक्रेन न जाएं क्योंकि रूस की सैन्य कार्रवाई और कोरोना का खतरा है। अपराध और अशांति के चलते भी यहां आने से बचें। क्रीमिया, दोनेत्सक और लुहांसक में न जाएं। अमेरिका ने यूक्रेन की राजधानी कीव में स्थित अपने दूतावास के कर्मचारियों के परिवारों को भी लौट जाने को कहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि रूस और क्रीमिया के दूतावासों से राजनयिकों के परिवार के लोग चले जाएं। रूस की ओर से सैन्य कार्रवाई का खतरा है। खासतौर पर रूस के नियंत्रण वाले पूर्वी यूक्रेन में हालात चिंताजनक हैं। यूक्रेन को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव किस हद तक बढ़ सकता है, इस बात का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि जंगी हथियारों की खेप भेजना अमेरिका ने शुरू कर दिया है।

कोरोना के नए केसों में राहत जारी, पर अब भी 3 लाख से ज्यादा पाजिटिव

-देश में कोरोना के 306,064 नए केस मिले और 439 मरीजों की मौत हुई

नई दिल्ली।

देश में कोरोना के 306,064 नए केस मिले और 439 मरीजों की मौत हुई। 24 घंटे में 2,43,495 मरीज रिकवर हुए। फिलहाल रिकवरी रेट 93.07 फीसदी है। वहीं, एक्टिव केस में 73,840 की बढ़ोतरी हुई, जिससे इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 22,49,335 हो गई। संक्रिय मामलों की दर 5.69 फीसदी है। फिलहाल डेली पॉजिटिविटी रेट 20.75 फीसदी है। वहीं, वीकली पॉजिटिविटी रेट 17.03 फीसदी है। देश में कोरोना महामारी के खिलाफ वैक्सीनेशन जारी है। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच कोविड टेस्टिंग भी जोर-शोर से जारी है। रविवार को 14,74,753 टेस्ट किए गए। देश में अब तक 71.69 से अधिक कोरोना टेस्ट हो चुके हैं। गौरतलब है कि भारत में कोरोना का कहर जारी है और इसका नया वैरिएंट ओमिक्रॉन अब कम्युनिटी ट्रांसमिशन स्टेज में पहुंच गया है। कई महानगरों में इसका असर बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की संस्था की स्टडी के मुताबिक, कम्युनिटी ट्रांसमिशन कई महानगरों में प्रभावी हो गया है और कई शहरों में संक्रमण के नए मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। साथ ही अब यह भी बताया गया है कि ओमिक्रॉन का संक्रामक सब-वेरिएंट बीए2 भी देश में मिला है। रिपोर्ट में कहा गया कि दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों में कम्युनिटी स्प्रेड हो चुका है और यहां पर तेजी से मामले सामने आने की संभावना है।

300 यूनिट मुफ्त बिजली वादे पर फंसी सपा शिकायत के बाद चुनाव आयोग ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

समाजवादी पार्टी की ओर से सरकार बनने के बाद 300 यूनिट बिजली मुफ्त दिए जाने के वादे के साथ रजिस्ट्रेशन कराने पर चुनाव आयोग ने जवाब मांगा है। सपा के इस अभियान को लेकर आयोग से शिकायत की गई थी। इसे प्रलोभन देने का मामला बताते हुए शिकायत की गई थी। अब आयोग ने सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा किया है। इस योजना का लाभ पाने के लिए नाम लिखाओ अभियान की शुरुआत की गई है। हाईकोर्ट के अधिवक्ता अमित जायसवाल ने इस पर आपत्ति जताते हुए शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने चुनाव आयोग से शिकायत करते हुए कहा है कि इस कैंपेन के तहत वोट के लिए लालच और रिश्वत दी जा रही है। यह आचार संहिता का खुला उल्लंघन हैं। उन्होंने शिकायत में कहा है कि चुनाव आयोग इस पूरे मामले की जांच कराकर रोक लगाए। अब चुनाव आयोग ने सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। चुनाव आयोग जिला निर्वाचन अधिकारियों से रिपोर्ट मिलने के बाद फैसला लेगा। अभी समाजवादी पार्टी की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

ई-श्रम पोर्टल पर यूपी के तीन जिलों में पंजाब से अधिक रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने वाले असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की संख्या 24 करोड़ के करीब पहुंच गई है। वहीं, चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश में ई-श्रमिक कार्ड पाने वाले श्रमिकों की संख्या 8 करोड़ के पार पहुंच गई है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजाब से अधिक रजिस्ट्रेश तो यूपी के तीन जिलों प्रयागराज, जौनपुर और सीतापुर में हुआ है। इन तीनों जिलों में कुल रजिस्ट्रेशन 60 लाख के पार है, जबकि पंजाब में अब तक केवल 51 लाख ही रजिस्ट्रेशन हुए हैं। हालांकि, पंजाब में यह महज 51 लाख से थोड़ा अधिक है। अगर उत्तराखंड की बात करें तो यहा भी केवल 24 लाख ही रजिस्ट्रेशन हुए हैं। मणिपुर में 3.64 लाख लोगों के पास ई-श्रमिक कार्ड हैं तो गोवा में केवल 17079 लोग ही पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराए हैं। यह आंकड़े 24 दिसंबर के सुबह तक के हैं। केंद्र सरकार का लक्ष्य असंगठित क्षेत्र के 38 करोड़ श्रमिकों के रजिस्ट्रेशन का है। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के मामले में बिहार दूसरे और पश्चिम बंगाल तीसरे नंबर पर है। अगर राज्यों की बात करें तो योगी सरकार द्वारा श्रमिकों को हर महीने 500 रुपये देने की घोषणा के बाद रजिस्ट्रेशन की ऐसी बाढ़ आई कि यहां संख्या 8 करोड़ से अधिक हो गई है। अभी कुछ दिन पहले ही योगी सरकार ने मज़दूरों के खातों में 1000-1000 रुपये डाला था। उत्तर प्रदेश में अकेले प्रयागराज में 22 लाख से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। दूसरे नंबर पर 20.89 लाख रजिस्ट्रेशन के साथ जौनपुर है। इसके बाद सीतापुर, बरेली, आजमगढ़, गोरखपुर, खीरी, हरदोई, आगरा, कुशीनगर का नंबर आता है। यूपी सरकार ने 1000-1000 रुपये की जो रकम श्रमिकों के खातों में भेजी है, वह दिसंबर-मार्च की हैं। अभी यूपी में चुनाव आचार संहिता लगी है। ऐसे में अगली सरकार चाहे जिसकी बने, बाकी के 1000-1000 रुपये 10 मार्च के बाद ही आएंगे।

यूपी स्थापना दिवस पर शाह और नड्डा ने जनता से मांगा आशीर्वाद

-भाजपा की सरकार ने प्रदेश के विकास को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया है

-विश्वास है, जनता के आशीर्वाद से विकास यात्रा अनवरत चलती रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

यूपी के स्थापना दिवस पर प्रदेश के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि मोदी और योगी सरकार ने यूपी के विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। नड्डा ने मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए राज्य के स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए ट्वीट कर कहा, उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और सीए योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने प्रदेश के विकास को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया है।

नड्डा ने यूपी की जनता का आशीर्वाद मांगते हुए आगे अपने ट्वीट में कहा पूर्ण विश्वास है, जनता के आशीर्वाद से विकास यात्रा अनवरत चलती रहेगी। गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ट्वीट कर कहा, धर्म, ज्ञान और अद्भुत शौर्य की भूमि उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं। शाह ने भी उत्तर प्रदेश के विकास में मोदी-योगी सरकार के योगदान का जिक्र करते हुए आगे अपने ट्वीट में लिखा , 'मोदी जी के मार्गदर्शन में चल रही प्रदेश की योगी सरकार के अथक प्रयासों से प्रदेश ने अपने गौरव को पुनः प्राप्त किया है। भाजपा उत्तर प्रदेश के विकास व जनता के कल्याण के लिए कटिबद्ध है।

उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के लिए घमासान शुरू हो चुका है। राज्य में 7 चरणों में 10, 14 , 20, 23 और 27 फरवरी एवं 3 और 7 मार्च को मतदान होना है। नतीजों की घोषणा 10 मार्च को होगी।

यूपी में बीजेपी से गठबंधन न होने पर जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने आरसीपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा और जेडीयू के बीच गठबंधन को लेकर जेडीयू नेताओं की आपस में रार नज़र आने लगी है। सोमवार को जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि भाजपा ने यूपी में साथ आने का ऑफर जदयू को केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के माध्यम से दिया था। आरसीपी सिंह को इसका आकलन करना चाहिए कि भाजपा की ओर से मिला वह ऑफर कितना ईमानदारी से दिया गया था। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर हम लोगों ने 30 सीटों की सूची सौंपी थी। हालांकि, उसके बाद भी भाजपा की ओर से कोई सकारात्मक उत्तर नहीं आया। ललन सिंह ने कहा है कि जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यूपी में निषाद पार्टी के संजय निषाद और अपना दल से ही गठबंधन होने का ऐलान किया तो यह हमारे लिए चौंकाने की बात थी। उन्होंने कहा कि यूपी में अब भाजपा के साथ गठबंधन की उम्मीद खत्म हो चुकी है। गौरतलब है कि यूपी में जेडीयू ने अब तक 26 सीटों पर उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। हालांकि उम्मीदवारों के नाम अभी तक घोषित नहीं किए हैं। ललन सिंह ने कहा कि भाजपा जेडीयू एक राजनीतिक दल है और यूपी में चुनाव लड़ना चाहता है। भाजपा हमें भाव दे या न दे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ललन सिंह ने बाद में जोड़ा कि गठबंधन न होने को लेकर वे किसी को दोषी नहीं मानते। आरसीपी सिंह यूपी में गठबंधन को लेकर भाजपा से बात कर रहे थे। उन्होंने ही हमें भाजपा की ओर से मिले ऑफर की जानकारी दी थी। पार्टी इसी भरोसे पर रह गई। भाजपा ने कुछ सीटें ऑफर करने की बात कही थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भाजपा पर निशाना साधते हुए ललन सिंह ने कहा कि कुछ समय पहले भाजपा ने अरुणांचल में जेडीयू के विधायकों को अपनी पार्टी में मिला लिया था। वह काम गठबंधन धर्म के अनुरूप नहीं था।

पंजाब में 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी भाजपा नड्डा ने किया सीटों का बटवारा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में भारतीय जनता पार्टी 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को सीटों का बटवारा किया। उन्होंने कहा कि पंजाब में एनडीए गठबंधन जो हुआ है उसमें भाजपा, पंजाब लोक कांग्रेस और संयुक्त अकाली दल-ढिंसा शामिल हैं। नड्डा ने कहा, 'हम सब मिलकर पंजाब विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा 65 सीटों पर, पंजाब लोक कांग्रेस 37 सीटों पर और 15 सीटों पर संयुक्त अकाली दल-ढिंसा चुनाव लड़ेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा हमारे लिए पंजाब एक बोर्डर स्टेट है और उसके साथ-साथ देश की सुरक्षा से जुड़ा हुआ राज्य है। देश की सुरक्षा के लिए पंजाब का मजबूत रहना और वहां एक मजबूत सरकार बनना देश और प्रदेश दोनों के लिए आवश्यक है। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस 37 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सीटों को बटवारा करते समय नड्डा ने कहा, 'पंजाब बॉर्डर पर स्थित राज्य है, देश की सुरक्षा के लिए पंजाब में स्थिर और मजबूत सरकार बनना आवश्यक है। पाकिस्तान की हरकतें हमारे देश के लिए कैसी रही हैं, ये हमें मालूम है। हमने वहां पर देखा है कि ड्रग्स की और हथियारों की स्मगलिंग का प्रयास वहां होता रहता है।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश बहुत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। 'इसको डीरेल करने का कुत्सित प्रयास, देशविरोधी ताकतें करती हैं। इस डीरेल में पंजाब के थ्रू एक्टीविटी हो ये देशविरोधी ताकतों की हमेशा मंशा रहती है।' उन्होंने कहा, 'ये चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का ही माध्यम नहीं है, सरकार बदलना ही इस चुनाव का उद्देश्य नहीं है। ये चुनाव आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित करने के लिए और पंजाब को स्थिरता देने के लिए है। पंजाब सुरक्षित रहता है तो देश सुरक्षित रहता है।

जिन्ना से जो करे प्यार वह पाकिस्तान से कैसे करे इनकार : भाजपा

लखनऊ ।

देश का असली दुश्मन पाकिस्तान नहीं है। एक इंटरव्यू में अखिलेश यादव की ओर से दिए गए बयान को भारतीय जनता पार्टी ने मुद्दा बना लिया है।अभी तक 'जिन्ना' वाले बयान पर अखिलेश को घेर रही बीजेपी ने उन्हें 'पाकिस्तान प्रेमी बताने में जुटी है। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने अखिलेश पर जोरदार पलटवार कर कहा कि याकूब मेनन फांसी पर चढ़ गया नहीं,तब अखिलेश उसे भी टिकट देते वह कसाब को स्टार प्रचारक बना लेते। संबित पात्रा ने कहा, 'एक तरफ जहां पूरा देश उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस मना रहा है। वहीं अखिलेश ने कहा कि पाकिस्तान हिन्दुस्तान का असली दुश्मन नहीं है। अखिलेश यादव का कहना कि वह पाकिस्तान को भारत का असली दुश्मन नहीं मानते और बीजेपी केवल वोट की राजनीति की वजह से पाकिस्तान को दुश्मन मानती है। दुखद, चिंताजनक और शर्मनाक। तुरंत अखिलेश यादव को इस पर माफी मांगनी चाहिए।' बीजेपी प्रवक्ता ने पूछा अखिलेश जी क्या कश्मीर के बंधु हमारे भाई नहीं? जिन कश्मीर के बंधुओं पर रोज पाकिस्तान की गोली चलती है। गोलाबारी होती है,और निहत्थे लोग निर्दोष लोग पाकिस्तान की ओर से भेज आतंकी द्वारा मारे जाते हैं।इनदिनों जिस तरह पाकिस्तान साजिश के तहत आतंकी हमले करता है, क्या भारत का दुश्मन पाकिस्तान नहीं है। आपका यह कहना कि भारत का असली दुश्मन पाकिस्तान नहीं है,यह तब बीजेपी दुश्मन बना रही है। जिन्ना से जो करे प्यार वह पाकिस्तान से कैसे करे इनकार। जिन्ना का रट लगाते हुए चुनाव में अखिलेश उतरे थे और आज एक पायदान ऊपर पाकिस्तान तक पहुंच गए। पात्रा ने कहा, ''मीडिया कहती है कि जब चुनाव आता है,तब बीजेपी पाकिस्तान को लाती है, हम नहीं लगाते हैं, आज सुबह देखिए स्थापना दिवस पर योगी जी का क्या संदेश है। और आज अखिलेश यादव की सुर्खियां हैं, कि पाकिस्तान भारत का दुश्मन नहीं है। पाकिस्तान को लेकर कौन आया, अखिलेश आए, जिन्ना को लेकर कौन आया, अखिलेश लेकर आए। तुष्टिकरण के पराकाष्ठा के कारण जिस तरह अखिलेश जिन्ना और पाकिस्तान की बात कर रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने सपा के उम्मीदवारों की सूची पर सवाल उठाकर कहा कि शुक्र है कि याकूब मेनन को फांसी दे दी गई है, नहीं अखिलेश जी उन्हें भी देशभक्त बताकर दंगा नाहिद हसन की तरह ही अपना प्रत्याशी बना देते। शुक्र है कि कसाब को फांसी हो चुकी है। कसाब को भी स्टार प्रचारक बनाकर उतार देते। अखिलेश यादव ने आतंकवादियों को कोर्ट से छुड़वाने की अपील की थी। बीजेपी अखिलेश यादव को चुनौती देती है कि यदि आपमें हिम्मत है तो आप अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करिए।

कौन कहां से लड़ रहा है, इसकी सूची जारी करिए।

शिवसेना ने भाजपा के साथ 25 साल गठबंधन करे अपने समय बर्बाद किया

मुंबई ।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने फिर से भाजपा पर हमला किया है। भाजपा पर राजनीतिक सुविधा के अनुसार हिंदुत्व का इस्तेमाल करने का आरोप लगाकर उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना राज्य के बाहर अपना प्रसार करेगी और उसका लक्ष्य राष्ट्रीय भूमिका को हासिल करने का है। शिवसेना संस्थापक और अपने पिता बाल ठाकरे की 96वी जयंती पर उद्धव ने दावा किया कि शिवसेना ने सत्ता के माध्यम से हिंदुत्व के एजेंडे को आगे ले जाने के लिए भाजपा से हाथ मिलाया था।इतना ही नहीं, उन्होंने कहा कि शिवसेना ने सत्ता की खातिर कभी हिंदुत्व का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा कि शिवसेना ने हिंदुत्व को नहीं, बल्कि भाजपा ने छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि भाजपा का अवसरवादी हिंदुत्व बस सत्ता के लिए है। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना ने भाजपा के साथ गठबंधन में जो 25 साल निकाले वह बर्बाद गए।उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का मतलब हिंदुत्व नहीं है। मैं अपने बयान पर पूरी तरह से कायम हूं कि शिवसेना ने भाजपा के साथ गठबंधन में 25 साल बर्बाद कर दिया।

2019 के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा से अलग हो चुकी शिवसेना फिलहाल महाराष्ट्र में एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार चला रही है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम लोग भाजपा को उसकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए दिल खोलकर साथ दिया। लेकिन हमारे साथ धोखा किया गया और हमें हमारे ही घर में मिटाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि बाबरी के बाद हिंदुस्तान में हमारी लहर थी, अगर हम इनदिनों उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ते हैं,तब देश में हमारा (शिवसेना पार्टी का) पीएम होता। लेकिन शिवसेना ने बीजेपी के लिए सब कुछ छोड़ दिया।

सपा ने अमित शाह पर लगाया कैराना में कोरोना नियम तोड़ने का आरोप

लखनऊ । यूपी विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर प्रदेश के राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कैराना दौरे को लेकर निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। सपा ने आरोप लगाया है कि कैराना में घर-घर चुनाव प्रचार कर पर्चे बांटने और जनसम्पर्क करने के दौरान केंद्रीय मंत्री और उनके समर्थकों कोरोना नियमों का उल्लंघन किया है। शिकायत में सपा ने कहा कि चुनाव आयोग ने डोर टू डोर प्रचार की इजाजत तो दे रखी है लेकिन उस दिन तक सिर्फ पांच लोगों के समूह को इसकी इजाजत थी। शनिवार की शाम को आयोग ने इस संखे या को पांच से बढ़ाकर 10 कर दिया था। जबकि कैराना में अमित शाह और भाजपा के लोगों के जनसम्पर्क के दौरान तंग गलियों में कहीं अधिक संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी थी। सपा ने कोरोना नियम उल्लंघन के मामले में भाजपा नेताओं के खिलाफ शीघ्र और सख्त कार्रवाई की मांग की। उधर, यूपी के मंत्री मोहिसिन रजा ने सपा पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को फिलहाल उस नोटिस का जवाब देना चाहिए जिसमें हजारों लोग उनकी पाटी के दफ्तर पर जुटे थे। उन्होंने कहा कि सपा हार रही है और अब वह इसका ठीकरा ईवीएम पर फोड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि सवाल उठाने वाले भाजपा नेताओं को पहले अपने गिरेबां में झांक लेना चाहिए।

बाला साहब ठाकरे शिवसेना की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई

बरहज देवरिया। देवरिया जिला अध्यक्ष शिवसेना कैलाश शर्मा द्वारा महाराष्ट्र के मुंबई के अमर नगर चेंबूर विस्तार में बालासाहेब ठाकरे की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई सर्वप्रथम बाला साहब के चित्रपट पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने बताया कि महाराष्ट्र के इतिहास में बालासाहेब ठाकरे को अत्यंत सम्मान प्राप्त है महाराष्ट्र की जनता के प्रति उनका अत्यंत प्रेम निष्ठा पूर्वक कार्य था जिस वजह से उनके न रहने पर भी पूरे महाराष्ट्र की जनता उनको सच्चे दिल से नमन करते है और आगेकहा की नेक इंसान कभी मरते नहीं वह हमेशा दिलोमे जिंदा रहते हैं। इस कार्यक्रम में नगरसेवक अनिल पाटनकर शाखा प्रमुख उमेश कारकेरा ,उपशाखा प्रमुख संतोष सातपुते ,अनीता मांडी शाखा प्रमुख महिला समिति ,गीता पालो माजी शाखा समिति और अमर बाल मित्र मंडल के अध्यक्ष गजानंद परदेसी आदि मौजूद रहै।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन में नगर में निकाला फ्लैगमार्च

बरहज देवरिया

विधानसभा चुनाव को देखते हुए एसडीएम ध्रुव कुमार शुक्ला के नेतृत्व में अर्धसैनिक बल के साथ भारी संख्या में निकाला फ्लैग मार्च रविवार को दोपहर करीब 1:00 बजे विधानसभा चुनाव तथा नगर में शांति बनाए रखने के लिए बरहज थाना घाट से मेन चौक से होते हुए बस स्टैंड रेलवे तिराहा एवं पैना रोड, रूद्रपुर टैक्सी स्टैंड आदि स्थानों पर फ्लैग मार्च किया इस दौरान बरहज क्षेत्रीअधिकारी देव आनंद, नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह पुलिस आदि अर्ध सैनिक बल मौजूद रहे।

महिलाओं ने एक स्वर से शराब के कारण बर्बाद हो रहे परिवारों को बचाने की अपील की : पूर्व राज्यसभा सांसद कनकलता सिंह

बरहज देवरिया । बरहज क्षेत्र में पूर्व राज्यसभा सांसद कनकलता सिंह ने नदी के उस पार परसिया देवार नकिवा स्थानों पर संपर्क के दौरान महिलाओं बैठक कर इकट्ठा समूह को बताया की महिलाओं ने एक स्वर से शराब के कारण बर्बाद हो रहे परिवारों को बचाने की अपील की।

महिलाओं की व्यथा सुन पूर्व सांसद कनकलता सिंह भावुक हो गई। अपने उदबोधन के दौरान पूर्व सांसद ने कहा कि महिलाओं का सम्मान हमारी प्राथमिकता में है । मैं जब तक रहूंगी इनके सम्मान पर आँच नही आने दूँगी ।पूर्व सांसद ने महिलाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप सभी सपा मुखिया अखिलेश यादव का समर्थन कर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाइए ताकि उत्तर प्रदेश की दशा एवं दिशा बदलकर विकास की पटरी पर लाया जा सके। इस दौरान मुख्य रूप से - पूर्व जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक अब्दुल खालिक,अंगेश कुमार, आज़म शेख,शिवम सिंह मौजूद रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

बरहज सरयू विद्यापीठ के परिसर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 125 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आश्रम के पीठाधीश्वर अंजनंय दास महाराज ने के नेताजी के आदर्शों एवं पद चिन्हों पर देश और समाज के को चलने की आवश्यकता है नेताजी के बेसुध कुटुंब को के पोषक थे नेताजी मुख्य अतिथि बलभद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा आज अपना कृतज्ञ राष्ट्र नेता जी की जयंती मना रहे आजादी के प्रति के लिए उन्होंने देश-विदेश की अथक यात्रा की थी प्रधानाचार्य रमेश प्रसाद यादव ने कहा कि भारत मां के लाल लाल जानकी प्रभावती के बार बार वंदना है नेता जी सुभाष चंद्र देश के लिए अपने को न्यौछावर कर दिया विशिष्ट अतिथि मंगलमडी प्रधानाचार्य ने कहा कि मनुष्य की प्रीति ही उसको महान बनाती है और अमरत्व प्रदान कर रही है इसके अतिरिक्त इंद्रजीत उपाध्याय, डॉक्टर सुग्रीव पांडेय अमर सिंह अमित कुमार जयसवाल ,रामजी तिवारी, शिव शंकर त्रिपाठी अंजनी उपाध्याय, राम लखन साहनी पवन पांडेय मुकुल उपाध्याय ,नगेंद्र तिवारी, सत्य प्रकाश पांडये, सुमित्रा देवी कमलेश शुक्ला ,महेंद्र यादव ने अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रधानाचार्य रमेश तिवारी अनंजान सबको प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

विधान परिषद चुनाव सभी 24 सीटों पर लड़ने की तैयारी में कांग्रेस

नई दिल्ली ।

बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर राजद कांग्रेस के बीच दूरी बढ़ती हुई दिख रही है। बिहार कांग्रेस विधान परिषद के सभी 24 सीटों के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इसमें 12 सीटों के लिए सशक्त उम्मीदवारों का पैनल तैयार किया जा रहा है। बिहार कांग्रेस को आशंका है के गठबंधन की सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल कांग्रेस पार्टी को सम्मानजनक सीट देने के मूड में नहीं है। इस बीच खबर है कि 28 जनवरी के बाद दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन का भविष्य तय हो जाएगा। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष मदन मोहन झा ने कहा है कि शनिवार को प्रभारी भक्त चरण दास के साथ दिल्ली में उसकी बैठक हुई थी। बैठक में 12 सीटों के लिए उम्मीदवारों के पैनल पर चर्चा की गई। हालांकि, इस मामले में पार्टी हाई कमांड का फैसला अंतिम होगा और उसी के आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी। इधर, बिहार कांग्रेस अभियान समिति के चेयरमैन और राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा है कि बिहार विधान परिषद चुनाव पार्टी मजबूती से लड़ना चाहती है। राजद ने 24 में से 20 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने का एकतरफा निर्णय लिया है और मात्र चार सीटें कांग्रेस के लिए छोड़ दिया है। इस बीच खबर है कांग्रेस पार्टी राजद से अपना गठबंधन बनाए रखना चाहती है। मध्यावधि चुनाव में कुशेश्वरस्थान और तारापुर की दोनों विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी की हार से कांग्रेस पार्टी अभी उबरी नहीं है। ज्ञात हो कि बिहार विधानसभा के मध्यावधि चुनाव में राजद ने दोनों में से एक सीट भी कांग्रेस को नहीं दिया था। इस वजह से उनका गठबंधन डगमगाया हुआ है। हालांकि , मध्यावधि चुनाव में राजद की भी बुरी तरीके से हार हुई। चुनाव के बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि कांग्रेस के साथ राजद का गठबंधन बरकरार है और आने वाले विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 7 से 8 सीट जाएगा। लालू यादव के इसी स्टैंड के तहत वरिष्ठ कांग्रेस नेता राज सभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने 18 जनवरी को लालू यादव से मुलाकात की और आरजेडी का पक्ष जाना।ई लालू यादव से मुलाकात के बाद उन्होंने बताया 28 जनवरी तक सीट शेयरिंग का मसला हल हो जाएगा। तब तक नेता प्रतिपक्ष और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव अपने हनीमून यात्रा से लौट चुके होंगे। इस बीच खबर है कांग्रेस पार्टी राजद से अपना गठबंधन बनाए रखना चाहती है। मध्यावधि चुनाव में कुशेश्वरस्थान और तारापुर की दोनों विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी की हार से कांग्रेस पार्टी अभी उबरी नहीं है। ज्ञात हो कि बिहार विधानसभा के मध्यावधि चुनाव में राजद ने दोनों में से एक सीट भी कांग्रेस को नहीं दिया था। इस वजह से उनका गठबंधन डगमगाया हुआ है। हालांकि , मध्यावधि चुनाव में राजद की भी बुरी तरीके से हार हुई। चुनाव के बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि कांग्रेस के साथ राजद का गठबंधन बरकरार है और आने वाले विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 7 से 8 सीट जाएगा। लालू यादव के इसी स्टैंड के तहत वरिष्ठ कांग्रेस नेता राज सभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने 18 जनवरी को लालू यादव से मुलाकात की और आरजेडी का पक्ष जाना।ई लालू यादव से मुलाकात के बाद उन्होंने बताया 28 जनवरी तक सीट शेयरिंग का मसला हल हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

रघुनाथपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कचरे में मिली कोविशील्ड वैक्सीन, हुआ हंगामा

बक्सर । बिहार के बक्सर जिले के रघुनाथपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास कचरे में कोविशील्ड वैक्सीन बरामद होने के बाद हंगामा हो गया है।बताया जा रहा है, कि स्वास्थ्य विभाग के बाहर कचरे के ढेर में कोविशील्ड की कई वैक्सीन मिली, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ है।आनन-फानन में स्वास्थ्य केंद्र के हेल्थ मैनेजर विनोद कुमार ने मौके पर पहुंच कर सभी वैक्सीन को जमा करके मामले की जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि इस लापारवाही के लिए जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। उधर, बक्सर सिविल सर्जन ने कहा कि जब मामला उनके संज्ञान में आया,तब उन्होंने इसकी जांच के लिए कमेटी बना दी है।जल्द ही पता लग जाएगा कि किसकी लापरवाही है।फिर जो लोग भी इस मामले में दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में इनकम टैक्स के ताबड़तोड़ छापे 3 करोड़ कैश बरामद

लखनऊ। आयकर विभाग की टीम ने लखनऊ में कई कारोबारियों के घर छापामारी की है। इसमें दो ठिकानों से करीब 3 करोड़ रुपए की रकम बरामद हुई है। छापेमारी देर रात तक चलती रही। दो कारोबारियों से पूछताछ चल रही है। आयकर विभाग की टीम ने लखनऊ में कई कारोबारियों के घर छापामारी की है। इसमें दो ठिकानों से करीब 3 करोड़ रुपए की रकम बरामद हुई है। छापेमारी देर रात तक चलती रही। दो कारोबारियों से पूछताछ चल रही है। यूपी में इस समय विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां जोरशोर से जारी हैं। इन सरगर्मियों के बीच आयकर विभाग भी पूरी तरह सक्रिय नज़र आ रहा है। कानपुर और कन्नौज में इत्र कारोबारी पीयूष जैन के ठिकानों पर छापामारी में करोड़ों की बरामदगी के साथ शुरू हुआ यह सिलसिला लगातार जारी है।

कोल्हापुर में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगी दमकल की चार गाड़ियां मौके पर तैनात

कोल्हापुर । महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग पर काबू पाने में दमकल की चार गाड़ियां मौके पर तैनात हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इनमें आग की भयानक लपटें और काला धुंआ उठता दिख रहा है। आग लगने की वजह अभी तक सामने नहीं आई है। वहीं, मुंबई में ताड़देव इलाके में बहुमंजिला रिहायशी इमारत में लगी आग में जख्मी हुए एक और शख्स ने सोमवार को दम तोड़ दिया, जिसके बाद मृतक संख्या बढ़कर 7 हो गई। नगर निगम के अधिकारी ने डॉक्टरों से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि बीवाईएल नायर अस्पताल में भर्ती 38 वर्षीय मरीज को सुबह सात बजे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भाटिया अस्पताल में 12 अन्य घायलों का उपचार किया जा रहा है, जिनमें से 6 की हालत गंभीर है और शेष की स्थिति स्थिर है। अधिकारी के मुताबिक, भायखला के मसीना अस्पताल में भर्ती एक अन्य जख्मी की भी हालत नाजुक है। गोवालिया टैंक स्थित भाटिया अस्पताल के सामने स्थित 20 मंजिला सचिनम हाइट्स इमारत में शनिवार को भीषण आग लग गई थी। इस घटना में पहले 6 लोगों की मौत हुई थी और 24 अन्य जख्मी हो गए थे। अधिकारी ने बताया कि एक और जख्मी की मौत के बाद घायलों की संख्या 23 रह गई है, जबकि मृतक संख्या सात हो गई है।

परिवार के 4 लोग जेल में और बेटी चुनाव में उतरी लंदन रिटर्न हैं सपा उम्मीदवार रूपाली दीक्षित

आगरा । आगरा जिले की फतेहाबाद विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार रूपाली दीक्षित की काफी चर्चा हो रही है। लंदन में पढ़ीं और दुबई की मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी कर चुकीं रूपाली दीक्षित के पिता समेत 4 परिजन हत्या के एक मामले में उम्रकैद काट रहे हैं। 34 साल की रूपाली ने ब्रिटेन से मैनेजमेंट स्टडीज में पोस्ट ग्रैजुएशन की डिग्री ली है। इसके बाद दुबई में नौकरी करने लगीं और फिर पिता अशोक दीक्षित समेत परिवार के 4 लोगों को उम्रकैद की सजा हुई तो 2016 में वह स्वदेश वापस लौट आईं। फिर उनकी राजनीति में एंट्री हुई और अब सपा से चुनाव लड़ रही हैं। रूपाली की फैमिली के सभी बड़े पुरुष सदस्य जेल में बंद हैं और उनके सार्वजनिक जीवन की शुरुआत इसी केस से हुई थी। वह जब कानून की बारीकियां नहीं समझ पाईं तो फिर लॉ की डिग्री ली। इसी दौरान वह राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में भी शामिल हुईं। रूपाली के पिता 75 वर्षीय अशोक दीक्षित को 2015 में सरकारी स्कूल के टीचर सुमन यादव की हत्या का दोषी ठहराया गया था। अशोक दीक्षित के खिलाफ कुल 69 आपराधिक केस दर्ज हैं, जिनमें तीन हत्या के मामले में भी शामिल हैं। अशोक दीक्षित मूल रूप से फिरोजाबाद के रहने वाले थे, लेकिन आगरा में कारोबार के चलते बस गए थे। उन्हें कोल्ड स्टोर के कारोबार के लिए जाना जाता है। हालांकि मुश्किलें तब बढ़ीं जब 2007 में सुमन यादव के मर्डर केस में उनका नाम सामने आया। उस वक्त रूपाली दीक्षित 19 साल की ही थीं, जब उनके पिता को अरेस्ट किया गया था। भाई अभिनव दीक्षित तब 14 साल के ही थे। रूपाली कहती हैं, 'शुरुआत में परिवार के किसी भी सदस्य ने मुझे इस मामले के बारे में नहीं बताया था। हमारे पिता घर में क्यों नहीं रहते हैं। इसके बारे में पूछने पर अलग-अलग बातें बताते थे। फिर मुझे पढ़ाई के लिए विदेश भेज दिया गया।' पुणे स्थित सिम्बॉयसिस इंस्टिट्यूट से ग्रैजुएशन करने के बाद वह 2009 में विदेश चली गई थीं। ब्रिटेन की कार्डिफ यूनिवर्सिटी से उन्होंने पोस्ट ग्रैजुएशन किया था।

सार समाचार

कोरोना महामारी के बीच पाकिस्तान ने शुरू किया पोलियो रोधी अभियान

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी अधिकारियों ने देश में कोविड-19 के बढ़ रहे मामलों के बावजूद सोमवार को इस साल पहला राष्ट्रव्यापी पोलियो रोधी अभियान शुरू किया। पोलियो कार्यक्रम के संयोजक शहजाद बेग द्वारा जारी बयान के मुताबिक, पांच दिनों तक चलने वाले पोलियो रोधी अभियान में करीब डेढ़ लाख स्वास्थ्य कर्मी हिस्सा ले रहे हैं और इस दौरान पांच साल से कम उम्र के 2.24 करोड़ बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि पिछला पोलियो रोधी अभियान कई हफ्ते पहले कोविड-19 के मामलों में कमी आने के बाद शुरू किया गया था। अधिकारियों को उम्मीद है कि नवीनतम अभियान से देश को पोलियो मुक्त बनाने में मदद मिलेगी। पाकिस्तान में पिछले साल पोलियो का एकमात्र मामला दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में आया था। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान दुनिया के मात्र दो देश हैं, जहां पर पोलियो बीमारी है और बच्चे अपंग हो रहे हैं।

यूएस ने यूक्रेन दूतावास के कर्मचारियों के परिवारों को रूसी हमले के बढ़ते खतरों के बीच को देश छोड़ने का आदेश दिया

संयुक्त राज्य अमेरिका ने यूक्रेन में अमेरिकी दूतावास में सभी अमेरिकी कर्मचारियों के परिवारों को रूसी हमले के बढ़ते खतरों के बीच देश छोड़ने का आदेश दिया है। रविवार को एक बयान में विदेश विभाग ने यह भी कहा कि गैर-जरूरी दूतावास के कर्मचारी सरकारी खर्च पर यूक्रेन छोड़ सकते हैं और सभी अमेरिकियों को तुरंत प्रस्थान करने पर विचार करना चाहिए। रूसी सैन्य गतिविधि ने वाशिंगटन और अन्य पश्चिमी देशों की चिंता बढ़ा दी है। आशंका जताई जा रही है कि 2014 में क्रीमिया पर कब्जा करने के बाद यूक्रेन पर आक्रमण करने की योजना बना रहा है। जबकि इससे इतर मास्को ने जोर देकर कहा है कि उसके पास आक्रमण की कोई योजना नहीं है। कीव में अमेरिकी दूतावास ने चेतावनी दी कि श्रूस द्वारा सैन्य कार्रवाई किसी भी समय आ सकती है और संयुक्त राज्य सरकार ऐसी आकस्मिक स्थिति में अमेरिकी नागरिकों को निकालने की स्थिति में नहीं होगी, इसलिए वर्तमान में यूक्रेन में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को तदनुसार योजना बनानी चाहिए। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि कीव स्थित दूतावास खुला रहेगा और इस घोषणा का मतलब यूक्रेन से अमेरिकी अधिकारियों को निकाला जाना नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कदम पर लंबे समय से चर्चा हो रही थी और इसका अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका यूक्रेन के प्रति समर्थन को कम कर रहा है। ब्लिंकन ने रविवार को एक साक्षात्कार में सीएनएन को बताया कि जब प्रतिबंधों की बात आती है, तो उन प्रतिबंधों का उद्देश्य रूसी आक्रमण को रोकना है। और इसलिए यदि वे अब चालू हो जाते हैं, तो आप निवारक प्रभाव खो देते हैं।

चीन के शहर शिआन से हटाया गया लॉकडाउन, उड़ानों की सेवाएं फिर से शुरू

बीजिंग। कोविड-19 वैश्विक महामारी के बढ़ते प्रकोप के कारण चीन के शिआन शहर में करीब एक महीने से जारी लॉकडाउन को अब हटा दिया गया है। शहर की आबादी करीब 1.3 करोड़ है। इस संबंध में घोषणा सोमवार को की गई। एक दिन पहले ही शहर से वाणिज्यिक उड़ानों की सेवाएं फिर से शुरू की गईं थी। शिआन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कोविड-19 को लेकर 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की रणनीति अपनाई थी। इसके तहत एक भी मामला सामने आने पर, लॉकडाउन, यात्रा प्रतिबंध और सामूहिक स्तर पर जांच अनिवार्य होती है। शिआन, बीजिंग से लगभग एक हजार किलोमीटर (600 मील) दूर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है, जहां चार फरवरी से शीतकालीन ओलंपिक शुरू होने हैं। कोरोना वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप के प्रकोप के बाद शहर में प्रवेश 22 दिसंबर से निलंबित कर दिया गया था। सभी निवासियों को जांच कराने को कहा गया था।

खराब मौसम के कारण नावों के डूबने से दो पाकिस्तानी मछुआरों की मौत, 10 लापता

कराची। खराब मौसम के कारण मछली पकड़ने वाली तीन नौकाओं के पाकिस्तान के तट पर डूब जाने से कम से कम दो मछुआरों की मौत हो गयी जबकि 10 अन्य लापता हो गए। नौसेना और समुद्री सुरक्षा पोतों ने 32 मछुआरों को बचा लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नौकाएं शनिवार को तटीय शहर केटी बंदर के पास अरब सागर में डूब गईं। नौसेना और समुद्री सुरक्षा पोतों की मदद से खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि खोज एवं बचाव अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक सभी लापता मछुआरे नहीं मिल जाते। आम तौर पर मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नौकाएं आधुनिक नौवहन और सुरक्षा उपकरणों से सुसज्जित नहीं होती हैं।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली कोरोना वायरस से संक्रमित

काठमांडू। नेपाल में कोविड-19 के लगातार बढ़ते मामलों के बीच पूर्व प्रधानमंत्री एवं सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष के. पी. शर्मा ओली भी संक्रमित पाए गए हैं और वह फिलहाल अपने घर में ही पृथक-वास में हैं। पार्टी के केंद्रीय प्रचार विभाग के उप प्रमुख बिष्णु रिजाल ने ट्वीट किया, 'हमारी पार्टी सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष के पी शर्मा ओली कोरोना संक्रमित पाए गए हैं और बालकोट स्थित अपने आवास पर पृथक-वास में हैं।' समाचार पत्र 'काठमांडू पोस्ट' के अनुसार, 70 वर्षीय ओली असहज महसूस कर रहे थे और शनिवार को की गई कोरोना जांच में वह

संक्रमित मिले। पार्टी पदाधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने नौ जनवरी को झापा में एक जनसभा को संबोधित किया था और काठमांडू में पार्टी के कार्यक्रमों में भी शामिल हुए थे। उन्होंने टीके की पूरी खुराक ले रखी है, लेकिन वह सह-रुग्णता के मरीज हैं और मार्च 2020 में उनका दूसरा गुर्दा प्रतिरोपण हुआ था। इस माह के शुरू में पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाल के सत्तारूढ़ गठबंधन के वरिष्ठ नेता पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' भी कोरोना संक्रमित पाए गए थे। नेपाल में कोविड-19 के मामलों में काफी वृद्धि देखने को मिली है और शनिवार को यहां की सरकार ने भीड़ इकट्ठा होने पर रोक, रैलियों पर प्रतिबंध, स्कूल बंद करने और सार्वजनिक स्थलों पर टीका कार्ड अनिवार्य करने तथा होटलों में प्रत्येक तीन दिन में कोरोना जांच कराए जाने जैसे प्रतिबंध लगाए थे। काठमांडू घाटी में सम-विषम के आधार पर सरकारी और निजी वाहनों के सड़क पर निकलने को लेकर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। नेपाल में कोरोना वायरस संक्रमण के 77,295 उपचाराधीन मामले हैं और महामारी से अब तक 11,655 लोगों की जान जा चुकी है। रविवार को काठमांडू घाटी में 3,791 नए मामले सामने आए।

वेटिकन में पोप फ्रांसिस से क्रूसिफिक्स हासिल करते हुए लोग।

चीन ने 39 लड़ाकू विमानों को भेजा ताइवान, बड़ी घुसपैठ को दे रहा अंजाम

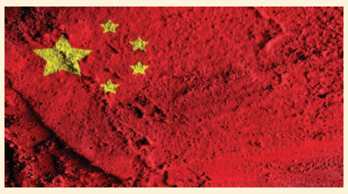

ताइपे। चीन ने 39 लड़ाकू विमानों को ताइवान की ओर भेजा है। इस साल उसके द्वारा ताइवान की ओर भेजा गया लड़ाकू विमानों का यह सबसे बड़ा जत्था है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन द्वारा भेजे गए विमानों में 24 'जे-16 लड़ाकू विमान' और 10 'जे-10 विमान', अन्य सहायक विमान और 'इलेक्ट्रॉनिक' लड़ाकू विमान थे। ताइवान की वायु सेना ने इस गतिविधि का पता चलने पर अपने विमान भी फौरन रवाना किए और वायु रक्षा रडार प्रणाली से 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' (चीन के) के विमानों पर नजर रखी।

ताइवान की सरकार पिछले डेढ़ साल से नियमित रूप से इस संबंध में आंकड़े जारी कर रही है। उनके अनुसार, तब से चीनी पायलट लगभग रोज ताइवान की ओर उड़ान भर रहे हैं। इससे पहले चीन के सर्वाधिक 56 विमानों ने पिछले साल अक्टूबर में ताइवान की ओर उड़ान भरी थी। गौरतलब है कि चीन, ताइवान को अपना क्षेत्र बताते हुए उस पर दावा करता है। वह लोकतांत्रिक रूप से चुनी गयी ताइवान की सरकार को मान्यता देने से इनकार करता है। ताइवान और चीन 1949 के गृह युद्ध में अलग हो गए थे। ताइवान के अंतरराष्ट्रीय संगठनों में शामिल होने का भी चीन लगातार विरोध करता है।

यूएई ने अबू धाबी को निशाना बनाने के लिए भेजी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट किया

दुबई। (एजेंसी)

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने राजधानी अबू धाबी को निशाना बनाने के लिए हूती विद्रोही समूह द्वारा भेजी गईं दो बैलिस्टिक मिसाइलों को सोमवार तड़के बीच में ही रोक दिया और नष्ट कर दिया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। रोकी गईं और नष्ट की गईं बैलिस्टिक मिसाइलों के अवशेष अबू धाबी के आसपास अलग-अलग इलाकों में गिरे। रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'वायु सुरक्षा प्रणाली ने हूती आतंकवादियों द्वारा सोमवार को देश की ओर दागी गईं, दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोक दिया और नष्ट कर दिया।'

सरकारी संवाद समिति 'डब्ल्यूएएम' की एक खबर के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि यूएई किसी भी तरह के खतरे से निपटने के लिए तैयार है और देश को सभी तरह के हमलों से बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। मंत्रालय ने जनता से केवल देश में आधिकारिक समाचार स्त्रोतों की जानकारी पर भरोसा करने का आह्वान किया है। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा अबू धाबी में पेट्रोलियम डिपो और देश के प्रमुख हवाई अड्डे पर हमला करने के एक हफ्ते बाद यह हमला किया गया है। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में 17 जनवरी सुबह मुसाफ्फा आईसीएडी-3 क्षेत्र और अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नव निर्माण क्षेत्र को निशाना बनाया था।

तीन पेट्रोलियम टैंकर में हुए विस्फोट में दो भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई थी, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए थे। संयुक्त अरब अमीरात ने यमन के हूती विद्रोहियों को हमले के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि निशाना बनाकर किए गए इस हमले के लिए बख्शा नहीं जाएगा। यूएई के विदेश मंत्रालय तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, 'यूएई के पास इन आतंकवादी हमलों और आपराधिक कृत्यों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है।' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अबू धाबी में हुए हमले की शुक्रवार को कड़ी निंदा की थी और पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस 15 सदस्यीय परिषद ने एक बयान जारी करते हुए 17 जनवरी को अबू धाबी में और सऊदी अरब में अन्य स्थानों पर हुए हमले को 'भयावह आतंकवादी हमला' करार दिया था। बयान में कहा गया, 'सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने हूती हमलों के पीड़ितों के परिवारों और भारत तथा पाकिस्तान की सरकारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति एवं संवेदना व्यक्त की है और वे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।' परिषद के सदस्यों ने दोहराया कि आतंकवाद अपने सभी रूपों में अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। संयुक्त अरब अमीरात सरकार ने 17 जनवरी के हमले के कुछ दिन बाद, खाड़ी देश में निजी ड्रोन और हल्के 'स्पोर्ट्स' विमानों के संचालन पर एक महीने के लिए प्रतिबंध लगा दिया। बयान के अनुसार, प्रतिबंध में हवाई एवं समुद्र स्थलों को भी शामिल किया गया है।

पाकिस्तान की विपक्षी मोर्चेबंदी में फंसे इमरान खान, बोले- पद छोड़ने पर मजबूर किया गया तो और भी खतरनाक हो जाऊंगा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान ने रविवार को विपक्षी दलों को चेतावनी दी कि यदि वे उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर करते हैं तो वह और अधिक खतरनाक होंगे क्योंकि उन्होंने उन्हें कोई रियायत देने से इनकार किया था। जनता द्वारा लाइव कॉल के दौरान 23 मार्च को पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) द्वारा नियोजित लॉन्ग मार्च के बारे में एक सवाल के जवाब में, खान ने कहा कि यह कदम विफल हो जाएगा। इमरान खान ने कहा कि अगर मैं सड़कों पर उतरता हूं, तो आपको (विपक्षी दलों को) छिपने के लिए कोई जगह नहीं मिलेगी, अगर उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है तो यह अधिक खतरनाक होगा। पीडीएम - लगभग एक दर्जन विपक्षी दलों का गठबंधन - राजनीति में पाकिस्तानी सेना के हस्तक्षेप और 'हेरफेर' वाले चुनाव के माध्यम से 'कठपुतली' प्रधान मंत्री खान को स्थापित करने के खिलाफ बनाया गया था।

पद छोड़ने पर मजबूर किया गया तो और भी खतरनाक हो जाऊंगा: इमरान खान

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को विपक्षी दलों को चेतावनी दी कि अगर उन्हें (खान को) पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया तो वह और भी ज्यादा खतरनाक हो जाएंगे। इसके साथ ही खान ने विपक्ष की कोई भी बात मानने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) द्वारा 23 मार्च को जुलूस निकालने की योजना पर पूछे गए सवाल के जवाब में खान ने कहा कि यह कदम विफल हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, 'अगर मैं सड़कों पर आ गया तो आप (विपक्ष) सबको छिपने की कोई जगह नहीं मिलेगी।' उन्होंने कहा कि अगर उन्हें पद छोड़ने पर मजबूर किया गया तो वह और भी ज्यादा खतरनाक हो जाएंगे।

75 साल में पहली बार फ्लाइट से भारत आयेंगे पाक यात्री

अभी तक यात्री, पर्यटक पैदल या समझौता एक्सप्रेस से आते थे

सिंगापुर (एजेंसी)

इस्लामाबाद(ईएमएस)। जनवरी में भारतीय तीर्थयात्रियों के हवाई मार्ग से पाकिस्तान पहुंचने के बाद, पाकिस्तानी पर्यटक भी 75 साल में पहली बार पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस की स्पेशल फ्लाइट से 29 जनवरी को भारत के लिए उड़ान भरेंगे। अभी तक तीर्थयात्री या पर्यटक पैदल या समझौता एक्सप्रेस के जरिए एक-दूसरे के देशों में जाते थे। पाकिस्तान हिंदू परिषद के अध्यक्ष रमेश कुमार के अनुसार दोनों देशों के बीच धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पीआईए और एयर इंडिया के बीच हुए समझौते के अनुसार, दोनों एयरलाइंस इस संबंध में विशेष उड़ानें संचालित करेंगी। यात्रा के दौरान, यह समूह अजमेर शरीफ, जयपुर, आगरा, मिथरा, हरिद्वार में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह और दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन औलिया की दरगाह की यात्रा करेगा।

डॉ रमेश ने कहा कि यात्रा पर प्रत्येक तीर्थयात्री को 1,500 डॉलर (1 लाख रुपए से ज्यादा) खर्च करने होंगे। अगर आगरा और दिल्ली में रहने के दौरान वे अलग कमरा चाहते हैं तो इसके लिए उन्हें अतिरिक्त 200 डॉलर, करीब 15 हजार रुपए, का भुगतान करना होना। भारत और पाकिस्तान के बीच 1974 में हुए एक समझौते के अनुसार तीर्थयात्री दोनों देशों के धार्मिक स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। वक्फ संपत्ति बोर्ड और धार्मिक मामलों के मंत्रालय तीर्थयात्रियों के आने और जाने की व्यवस्था करते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच अभी भी परिवहन के लिए हवाई सुविधा उपलब्ध नहीं है। भारत की ओर समझौता एक्सप्रेस ट्रेन दिल्ली से अटारी तक और पाकिस्तान की ओर लाहौर से वाघा तक चलती है। वर्ष 1974 के धार्मिक स्थलों की यात्रा पर भारत-पाकिस्तान प्रोटोकॉल तंत्र के तहत, भारत से बड़ी संख्या में सिख तीर्थयात्री पाकिस्तान में धार्मिक स्थलों की यात्रा करते हैं। इसी तरह, पाकिस्तानी नागरिक भी भारत में धार्मिक स्थलों पर घूमने के लिए आते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने अपने वीचैट अकाउंट पर नियंत्रण खोया, चीन कर रहा राजनीतिक हस्तक्षेप

कैनबरा। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने चीनी सोशल मीडिया ऐप वीचैट पर अपने अकाउंट का नियंत्रण खो दिया है। देश के शीर्ष सांसदों ने सोमवार को चीनी नेताओं पर सोशल मीडिया पर राजनीतिक हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। सिडनी के 'द डेली टेलीग्राफ' के मुताबिक, जनवरी की शुरूआत में मॉरिसन के 76 हजार से अधिक वीचैट फॉलोअर को उनके अकाउंट का नाम बदलकर 'ऑस्ट्रेलियन चायनीज न्यू लाइफ' किए जाने की जानकारी दी गई थी। यही नहीं, अकाउंट से मॉरिसन की तस्वीर भी हटा दी गई थी।

अखबार ने दावा किया कि ये बदलाव ऑस्ट्रेलियाई सरकार के संज्ञान में लाए बगैर ही किए गए थे। हालांकि, मॉरिसन के कार्यालय ने रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया करने से इनकार कर दिया। ऑस्ट्रेलिया में खुफिया एवं सुरक्षा मामलों की संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जेम्स पैटर्सन ने कहा कि वीचैट ने मॉरिसन के अकाउंट को बहाल किए जाने के सरकार के आग्रह पर अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। पैटर्सन ने आरोप लगाया कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ऑस्ट्रेलिया में मई में प्रस्तावित चुनावों के मद्देनजर मॉरिसन को सेंसर कर रही है। उन्होंने कहा कि यह कदम ऑस्ट्रेलियाई लोकतंत्र में राजनीतिक दखल देने की कोशिश करने सरीखा है। मॉरिसन की लिबरल पार्टी के सदस्य पैटर्सन ने सभी सांसदों से चीनी कंपनी 'टेनसेंट' की ओर से संचालित इस ऐप का बहिष्कार करने की अपील भी की।

उन्होंने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि वीचैट पर सक्रिय 12 लाख चीनी-ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों की मॉरिसन सरकार से आने वाली खबरों तक पहुंच बाधित हो गई है, लेकिन वे विपक्षी नेता एंथोनी अल्बानीज द्वारा की जाने वाली सरकार की आलोचनाओं को आराम से देख-पढ़ सकते हैं। लिबरल पार्टी के एक अन्य सांसद एवं पूर्व राजनयिक डेव शर्मा ने आरोप लगाया कि इस दखलअंदाजी को संभवतः चीन सरकरा ने मंजूरी दी है। चीन सितंबर 2021 में ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका के बीच घोषित एक नए गठबंधन का आलोचक रहा है। इस गठबंधन के तहत ऑस्ट्रेलिया को परमाणु पनडुब्बी मुहैया कराई जानी है।

बुर्किना फासो में बढ़ा तख्तापलट का खतरा, राष्ट्रपति के आवास के पास चली भीषण गोलीयां

औगाडोउगोउ। (एजेंसी)

बुर्किना फासो के राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे के आवास के पास रविवार देर रात गोलियों की आवाज सुनी गई। इससे पहले विद्रोही सैनिकों ने दिन में एक सैन्य अड्डे पर कब्जा कर लिया था, जिससे अब देश में सैन्य तख्तापलट की आशंका बढ़ गई है। सरकारी अधिकारियों ने लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की थी कि सेना के अड्डे पर घंटों गोलियां चलने के बावजूद स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन दिन के अंत में विद्रोहियों का समर्थन कर रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने काबोरे की पार्टी की एक इमारत में भी आग लगा दी। इस बीच, राष्ट्रपति काबोरे के आवास के पास रविवार देर रात गोलियों की आवाज सुनी गई। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घटना के समय काबोरे घर पर थे या नहीं।

इलाके में मौजूद कई लोगों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि गोलियों की आवाज के आलावा हेलीकॉप्टर की आवाजें भी वहां सुनी गई। एक विद्रोही सैनिक ने ह्यएपीह्व को फोन पर बताया कि राष्ट्रपति भवन के पास भारी संघर्ष जारी है। यह एक ऐसा दावा है, जिसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती। देश में इस्लामी चरमपंथ से सरकार के निपटने के तौर-तरीकों को लेकर हफ्तों से बढ़ते असंतोष के बाद काबोरे के इस्तीफे का आह्वान करते हुए रविवार को भारी प्रदर्शन किया गया था। सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने विद्रोही सैनिकों को सार्वजनिक समर्थन दिया, जिससे सुरक्षा बलों को राजधानी में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। ईसीओडब्ल्यूएएस के रूप में पहचाने जाने वाले पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय ब्लॉक ने सैन्य तख्तापलट के बाद पिछले 18 महीनों में माली और गिनी को पहले ही निलंबित कर दिया है। उसने बुर्किना फासो के राष्ट्रपति के समर्थन में एक बयान जारी किया और विद्रोहियों के साथ बातचीत का आग्रह किया। रक्षा मंत्री एमी बथेलेमी सिम्पोर ने सरकारी प्रसारणकर्ता 'आरटीबी' से कहा कि न सिर्फ औगाडोउगोउ में बल्कि कुछ अन्य शहरों में भी कुछ सैन्य बैरक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि राष्ट्रपति काबोरे को विद्रोही सैनिकों ने हिरासत में ले लिया है। हालांकि वह कहां हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

उन्होंने कहा, 'कुछ बैरक प्रभावित हुए हैं। बहुत ज्यादा नहीं। कुछ बैरक में स्थिति सामान्य हो गई है...हम स्थिति का आकलन कर रहे हैं।' काबोरे, नवंबर 2020 में राष्ट्रपति पद पर फिर से निर्वाचित होने के बाद से ही विरोध का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने देश के प्रधानमंत्री को बर्खास्त कर दिया और मंत्रिमंडल के ज्यादातर सदस्यों को बदल दिया था। कभी शांतिपूर्ण रहे इस पश्चिमी अफ्रीकी देश में हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है क्योंकि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट समूह के हमले बढ़ रहे हैं। हाल के वर्षों में हजारों लोग मारे गये हैं और करीब 15 लाख लोग विस्थापित हो गये।

मुसलमान होने के कारण ब्रिटिश सरकार ने मंत्री पद से बर्खास्त किया था

पाकिस्तानी मूल की ब्रिटिश महिला सांसद नुसरत गनी ने लगाया आरोप

लंदन। ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन को पद से हटाने की मांग के बीच उनकी ही पार्टी की पाकिस्तानी मूल की महिला सांसद ने आरोप लगाया है कि मुसलमान होने कारण फरवरी 2020 में कंजरवेटिव पार्टी सरकार ने उन्हें मंत्री के पद से बर्खास्त कर दिया था। नुसरत गनी को पूर्व ब्रिटिश प्रधानंमत्री थेरेसा मे की सरकार में 2018 में परिवहन विभाग में कनिष्ठ मंत्री नियुक्त किया गया था। फरवरी 2020 में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सरकार ने मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान उन्हें मंत्री पद से हटा दिया था। गनी ने कहा कि मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद पार्टी के सचेतकों के साथ बैठक में मैंने पूछा कि मुझे मंत्रिमंडल से हटाने के पीछे क्या सोच है। डाउनिंग स्ट्रीट (प्रधानमंत्री कार्यालय) में इस बैठक के दौरान मुझसे कहा गया कि उनका मुसलमान होने का मुद्दा उठाया गया, यह कि मुस्लिम महिला मंत्री से मंत्रिमंडलीय सहयोगी असहज हो रहे थे। उन्होंने दावा किया कि मंत्रिमंडल में इस बात की चिंता जताई गई कि ह्यमैं पार्टी के प्रति निष्ठावान नहीं हूं क्योंकि मैंने इस्लाम से नफरत संबंधी आरोपों के विरूद्ध पार्टी का बचाव करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। कंजरवेटिव पार्टी के मुख्य सचेतक मार्क स्पेंसर ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि गनी के आरोप बिल्कुल झूठे हैं। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने अभी तक इन दावों पर कोई बयान नहीं दिया है। दो दिन पहले ही पीएम जॉनसन की पार्टी के एक और सांसद ने खुद को ब्लैकमेल किए जाने का आरोप लगाया था। कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद विलियम ब्रैग ने दावा किया था कि उन्हें पीएम जॉनसन का विरोध करने के कारण धमकाया और ब्लैकमेल किया जा रहा है।

सुविचार अच्छी योजना बनाना बुद्धिमानी का काम है पर उसको ठीक से पूरा करना धैर्य और परिश्रम का। - कहावत

संपादकीय

कोरोना की दवाएं

कोरोना महामारी की वजह से न केवल वायरस उपचार शोध में तेजी आई है, बल्कि दूसरी बीमारियों पर भी शोध कार्य तेज हुए हैं। साल 2021 की शुरुआत में कोविड-19 टीकों के आने से वैश्विक महामारी के खिलाफ जंग शुरू हुई थी और साल के अंत में दो मौखिक एंटीवायरल दवाओं, मोलनुपिरवीर और पैक्सलोविद का अनुमोदन मील का पत्थर है। ये दवाएं कोविड-19 के चलते अस्पताल में भर्ती होने और मौतों की संख्या को कम करने का वादा करती हैं। जब ये दवाएं लोकप्रिय होने लगी हैं, तब भी शोधकर्ता और विकसित उपचार की तलाश में लगे हैं। पेन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय में पेरेलमैन स्कूल ऑफ मेडिसिन की महामारी विशेषज्ञ सारा चेरी कहती हैं कि अभी जो खाने वाली दवाएं आई हैं, वे कोरोना वायरस के खिलाफ पहली पीढ़ी के एंटीवायरल हैं। वह कहती हैं कि हेपेटाइटिस सी और एचआईवी जैसी बीमारियों के खिलाफ एंटीवायरल के साथ हमारा अनुभव बताता है कि हम समय के साथ और बेहतर दवाएं ला सकते हैं। औषधियों का निरंतर विकास लोगों के विश्वास के लिए भी जरूरी है। एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो अभी भी टीकों पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं और ऐसे ही लोगों को कोरोना वायरस कुछ ज्यादा परेशान कर रहा है। क्लिनिकल ट्रायल के आंकड़ों से पता चलता है कि मोलनुपिरवीर ने अस्पताल में भर्ती होने और मौतों में 30 प्रतिशत की कमी लाई है। पैक्सलोविद ने अस्पताल में भर्ती होने व मौतों में 89 प्रतिशत की कटौती की है। ब्रिटिश नियामकों ने नवंबर में मोलनुपिरवीर और दिसंबर में पैक्सलोविद को मंजूरी दी थी, जबकि अमेरिकी नियामकों ने दिसंबर में इन दोनों दवाओं के आपातकालीन इस्तेमाल को हरी झंडी दिखाई है। कई दवा निर्माता इन नई दवाओं के निर्माण के लिए आगे आ रहे हैं और जल्दी ही इनके जेनेरिक संस्करण दूसरे देशों में बनने लगेंगे। फिलहाल कोरोना के उपचार में इस्तेमाल हो रही इन खाने वाली दवाओं की आपूर्ति कम है। वैज्ञानिकों का दावा है कि जब ये दवाइयां तमाम देशों में पहुंच जाएंगी, तो ज्यादा से ज्यादा लोगों को अस्पताल में भर्ती होने और मौत के मुंह में जाने से बचा सकेंगी। क्या कोरोना के खिलाफ ये पहली पीढ़ी के एंटीवायरल अंतिम रूप से कारगर होने वाले हैं? यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना के कोरोना विशेषज्ञ टिम शीहान कहते हैं, अभी यह बताना जल्दबाजी होगी। भारत में मोलनुपिरवीर और पैक्सलोविद को लेकर अभी समर्थन की स्थिति नहीं बन रही है। भारत में अभी रेमडेसिविर और टोसिलीजुमेब के जरूरी इस्तेमाल को ही मंजूरी है। इलाज का एक विकल्प रेमेडिसविर के मौखिक संस्करण को भी बताया जा रहा है, पर इस पर अभी परीक्षण चल रहा है। डब्ल्यूएचओ और विकसित देश नई दवाओं को मंजूरी देकर मौका दे रहे हैं, इनमें से दो दवाएं बिल्कुल नई हैं, बेरिसिटिनिब और सोत्रोविमेब। अभी भी एकाधिक एंटीवायरल दवाएं शोध व जांच की प्रक्रिया में हैं। कोशिश एक ऐसी दवा विकसित करने की है, जिसे दिन में एक बार खाने से ही यथोचित परिणाम मिल जाए। वैज्ञानिक एंटीवायरल के लिए नए लक्ष्यों की पहचान व सत्यापन में लगे हैं, ताकि इस महामारी को धूल चटाने के साथ ही अगली किसी भी वायरस जनित महामारी से मुकाबला किया जा सके।

आज के कार्टून

उत्तम कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य/ श्रेष्ठ कार्य वह है, जो श्रेष्ठ उद्देश्य के लिए किया जाता है। उत्तम कार्यों की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम ही होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः उसके लिए मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा ही उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत स्थिति सामने आती है कि सदुद्देश्य होते हुए भी, भावनाएं उच्च, श्रेष्ठ, सात्विक होते हुए भी क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है, जिससे लोगों को यह भ्रम हो जाता है कि कहीं यह सब दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। किसी भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। इसी प्रकार किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि के द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकताएं एवं उपयोगिता सर्वत्र स्वीकार की जा सकती है। परन्तु कई बार इस प्रकार की सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसके करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। बिरले बहादुर ही इस प्रकार की दुस्साहसभरी सेवा करने को तैयार रहते हैं। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर कि वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, कोई साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी सीधे तरीके से मान जाते हैं। उनकी भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है, पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो रही है और साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ भी असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रबलता और प्रधानता है, ऐसे प्राणियों की कमी नहीं है। ऐसे प्राणी सज्जनता, साधुता और सात्विकता का कुछ भी मूल्यांकन नहीं करते। ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से उन्हें अनीति के दुःखदाई मार्ग पर से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु समझाने से नहीं मानता।

अखिलेश की लुकाछुपी से सपा समर्थक हताश

विकास सक्सेना

चंद हफ्ते पहले तक उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में दमदारी से भाजपा का मुकाबला करते दिख रहे सपा मुखिया अखिलेश यादव के असमंजस से उनके समर्थक हैरान हैं। पहले चरण के नामांकन की प्रक्रिया के कई दिन बीतने के बाद भी बगावत के डर से उन्होंने अपने उम्मीदवारों की सूची तक जारी नहीं की थी। जिन उम्मीदवारों को सीधे टिकट दिया गया उनको चेतावनी दी गई कि वे इसका प्रचार न करें अन्यथा उनके टिकट काट दिए जाएंगे। नई सपा को हिन्दू विरोधी छवि से उबारने के लिए मुस्लिमों से संबंधित मामलों पर मौन साधने वाले अखिलेश यादव अब टिकट वितरण में भी जिस तरह लुकाछुपी का खेल खेल रहे हैं, उससे सपा समर्थक हताश हैं। भाजपा के मुखर वक्ताओं और आक्रामक प्रचार के सामने अखिलेश की छवि असमंजस से घिरे एक भयभीत और निर्णय लेने में असमर्थ नेता की बन रही है। योगी सरकार की कार्य प्रणाली से नाराज वर्ग के लोगों ने काफी समय से सपा के पक्ष में वातावरण बनाने में पूरी ताकत झोंक रखी थी। भाजपा विरोध की राजनीति करने वाले भी बीते साढ़े चार साल से लगातार अलग अलग मुद्दों को उठाकर सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करने में जुटे थे। कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली बार्डर पर चले किसान आंदोलन, कोरोना महामारी के कारण बढ़ी बेरोजगारी, पेट्रोल- डीजल की बेतहाशा बढ़ी कीमतों, गुपचुप तरीके से घरेलू रसोई गैस सिलेण्डर की सब्सिडी लगभग खत्म करके उसकी कीमत एक हजार रुपये तक बढ़ाने से समाज का एक तबका असहज महसूस कर रहा था। उच्च अधिकारियों की मनमानी और उनके अव्यावहारिक आदेशों से कर्मचारियों में आक्रोश लगातार बढ़ रहा था। पुरानी पेंशन दोबारा लागू करने, कैशलेस उपचार, पदोन्नति जैसी तमाम मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे कर्मचारियों के प्रति सरकार के उदासीन रवैये से उनमें सरकार के प्रति नाराजगी है। इसके अलावा भव्य राममंदिर निर्माण,काशी विश्वनाथ कॉरीडोर, नागरिकता संशोधन कानून, कश्मीर में धारा 370 निष्प्रभावी करने और तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाने जैसे कदमों से मुस्लिम समुदाय का एक बड़ा वर्ग सरकार की नीतियों का मुखर विरोध कर रहा है। इन हालत में सपा नेता और कार्यकर्ता उत्साहित थे। विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले अखिलेश यादव ने प्रदेश के कई जिलों में रथयात्रा निकालकर सपा के पक्ष में माहौल बनाना शुरू कर दिया था। सत्ता से भाजपा को किसी भी कीमत पर बेदखल करने की प्रबल इच्छा रखने वालों को उनमें बड़ी उम्मीद दिखाई दे रही थी। चुनावी समर में भाजपा को पछाड़ने के लिए हर कदम सोच समझ कर आगे बढ़ाया जा रहा था। पार्टी की मुस्लिमपरस्त और हिन्दू विरोधी छवि को साफ करने के लिए सपा के मंचों की प्रथम पंक्ति से मुस्लिम नेताओं को दूर कर दिया गया। धार्मिक टोपी पहने मुस्लिम उलेमा और धर्मगुरुओं की सपा के सर्वजनिक कार्यक्रमों में उपस्थिति नगण्य हो गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों को साफ तौर पर समझा दिया गया कि अगर योगी और मोदी को सत्ता से हटाना है, तो सपा को हिन्दुओं का विश्वास जीतना होगा। हालांकि सपा की इस गोलमोल नीति से और अपनी राजनैतिक उपेक्षा से मुस्लिम नेतृत्व में बेचैनी थी लेकिन फिर भी वे खुलकर इस नीति का विरोध करने से बच रहे थे। प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद सत्ता के संसाधन का निजी हित में उपयोग का मंसूबा पूरा न होने से खफा इन लोगों का एक धड़ा मौका मिलते ही भाजपा और सरकार के खिलाफ मुखर हो गया। सपा के पक्ष में बन रहे माहौल का लाभ उठाने के लिए वे अखिलेश यादव के खेमे में खड़े हो गए। इसके अलावा विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक जिन नेताओं को भाजपा से टिकट मिलने की उम्मीद नहीं थी, उन्होंने भी सपा का झण्डा थाम लिया। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने किसी भी नेता को निराश नहीं किया। इस तरह प्रदेश की लगभग सभी विधानसभा सीटों पर बड़ी संख्या में टिकट के दावेदार सपा में भर्ती हो गए। सपा में भर्ती होने से पहले अखिलेश यादव से मुलाकात के समय अधिकांश नेताओं ने पार्टी के प्रति निष्ठा, भाजपा को हराने का निस्वार्थ संकल्प और नेतृत्व के प्रति समर्पण का जो वाकजाल बुना वह उसके पीछे छिपे राजनीतिक आडम्बर को समझने में नाकाम रहे। उन्हें लगा कि जो लोग सपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं, वे भाजपा के शासन से पीड़ित हैं।अखिलेश यादव यह नहीं समझ सके कि जो लोग सपा में शामिल हो रहे हैं, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी न होने के कारण ही वे भाजपा से नाराज हैं। इनमें से तमाम लोग ब्लॉक प्रमुख से लेकर, सहकारी संस्थाओं, गन्ना समितियों, जिला पंचायत अध्यक्ष समेत सभी पदों को अपने परिवार में समेट लेने की चाहत रखते हैं। खुद विधानसभा पहुंचकर सत्ता सुख भोगने की आस में सपा के पाले में खड़े होने वालेनेता किसी दूसरे की पालकी उठाने को तैयार हो जाएंगे, ये कैसे संभव है। यही कारण है कि चुनाव की घोषणा होने के बाद जब

टिकट वितरण की बारी आई तो सपा में बगावत का डर सताने लगा। सपा से टिकट न मिलने पर इन बागियों के दूसरे दलों में जाने के भय से अखिलेश यादव नामांकन की अंतिम तिथि से एक दिन पहले तक प्रथम चरण की 58सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों को अन्तिम रूप नहीं दे सके थे। दूसरे चरण की 55सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी, लेकिन अभी तक टिकट मिलने की आस में उम्मीदवार लखनऊ में डेरा डाले हुए हैं। अखिलेश यादव को अपने पिता और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव से सीखना चाहिए कि लोकतंत्र में शत प्रतिशत वोटों को हासिल करने की होड़ में कभी नहीं पड़ना चाहिए। अपने समर्थकों का खुल कर साथ देने के लिए हर समय तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कभी भी मुस्लिम और यादव वोटों की कीमत पर अन्य समुदायों के वोटों को लुभाने की कोशिश नहीं की थी। लोकतंत्र में अपने समर्थकों का विश्वास जीतने के लिए उनके हक की लड़ाई खुलकर सड़कों पर लड़नी पड़ती है। सच यह है कि हिन्दू मतदाताओं का विश्वास जीतने के लिए मुसलमानों से दूरी दिखाने की कोशिश लोगों को दिखाई देने लगी है। टिकट वितरण में लुकाछुपी के खेल से अखिलेश यादव चुनावी रण के लिए तैयार खड़ी कार्यकर्ताओं की फौज के भयाक्रांत और निस्तेज सेनापति दिखाई दे रहे हैं। इस तरह से तो वे अपने रणबांकुरों में उत्साह का संचार नहीं कर सकेंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

दल बदल के मौसम में आहत लोकतंत्र

लक्ष्मीकांता चावला

लगभग चार दशक पहले तक पूरे देश में चुनाव एक ही समय होते थे। विधानसभा और लोकसभा के लिए भारत की जनता वोट करती थी। अपने प्रतिनिधि चुनती थी। लोकतंत्र के मंदिर में अपने-अपने प्रतिनिधियों को भेजने के लिए मानो संगम का मेला ही लगता था। धीरे-धीरे परिस्थितिवश देश के अनेक भागों में चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे, जिसका यह परिणाम हुआ कि अपना देश हर वर्ष ही चुनावी संग्राम में जूझता है। जहां कहीं पहले यह आदर्श वाक्य था कि साध्य के लिए साधन भी शुद्ध चाहिए। अब साधनों की शुचिता तो अतीत की बात हो गई। साध्य अर्थात चुनावों में सफलता, सत्ता प्राप्ति एकमात्र लक्ष्य हो गया। उसके लिए साम-दाम-दंड-भेद या इससे भी कुछ आगे है तो इसका प्रयोग किया जा रहा है। जब से 2022 में पांचों विधानसभा के चुनावों की घोषणा हुई तभी से राजनेताओं ने एक तो आश्वासनों की बौछार की। मुफ्तखोरी बनी नहीं रहेगी, अपितु बढ़ेगी इसका भरोसा दिया। जनता को रोजगार, उद्योग-धंधे, चिकित्सा शिक्षा के स्वावलंबन की कोई चर्चा नहीं की और इसके साथ ही सत्ता की दौड़ में लगे ये राजनेता दल बदलने के सारे पिछले रिकार्ड तोड़ रहे हैं। हो सकता है कि चुनावों के नामांकन की तिथि तक सैकड़ों और तथाकथित नेता दल बदल लेंगे। इनको तथाकथित इसलिए कहा है क्योंकि ये नेतृत्व नहीं कर रहे, अपितु अपनी-अपनी सत्ता या परिवार की सत्ता सुरक्षित रखने के लिए ही काम कर रहे हैं। कभी हरियाणा से निकला— आया-राम गया-राम का व्यंग्य वाक्य अब पूरे देश में वैसे ही फैल गया जैसे केरल में एक कोरोना रोगी मिलने के बाद पूरा देश कोरोना की पहली, दूसरी और अब तीसरी लहर में जकड़ा तड़प रहा है। आज का प्रश्न यह है कि समाज दल-बदलुओं को स्वीकार क्यों करता है? आमजन का यह कहना है कि राजनीतिक पार्टियां उत्तर दें, वे उन लोगों के लिए अपने दरवाजे पलक पांवड़े बिछाकर हर समय खुले क्यों रखते हैं, जो सिद्धांतहीन हैं पर सत्ता के लालच में दौड़ते हुए उनके दरवाजों पर आते हैं, फूलों का आदान-प्रदान होता है, पटे या पटके गलों में डाले जाते हैं और दल बदलू नेता इतने समभाव वाले दिखाई देते हैं कि निंदा, स्तुति, मान-अपमान से उन्हें कोई अंतर ही नहीं पड़ता। प्रश्न एक यह भी है कि जो लोग उस पार्टी के वफादार नहीं, जिससे उन्हें पहचान मिली, सम्मान मिला, राजपद प्राप्त हुए और उनकी जिंदाबाद के नारे गली-गली में लगे, ऐसे लोग दूसरी पार्टी में जाकर उनके कैसे वफादार हो जाएंगे। जो लोग सार्वजनिक सभाओं में अपनी जनता के दुख-सुख में साथी बनने की घोषणा करते रहे वे केवल अपने परिवार की विधानसभा सीट के लिए ही क्यों दल बदल जाते हैं? अपने मतदाताओं को धोखा देते हैं? अभी तो हालत यह हो गई जो उत्तर प्रदेश ने देखा, पंजाब ने देखा, उत्तराखंड ने दिखाया कि ये याद ही नहीं रहता कि दल बदलने वाले नेता पहले किस-किस गली का चक्कर लगाकर आए हैं और वर्तमान पार्टी में आने से पहले किस पार्टी में धन-सत्ता कमा रहे थे। उत्तर प्रदेश का उदाहरण तो बड़ा अफसोसजनक है। सरकार के एक मंत्री कांग्रेस से बीएसपी में, बीएसपी से समाजवादी पार्टी में, फिर भाजपा में और भाजपा से वापस समाजवादी पार्टी में चले गए। संभवतः वहां और कोई ऐसी बड़ी पार्टी नहीं, जिसकी दलदल में वह डुबकी लगा सकें। आश्चर्य यह भी है कि दल बदलने की बीमारी का एक सीजन विशेष ही होता है। वर्षों तक एक पार्टी में सत्तासुख भोगने के बाद अचानक ही इन्हें दलितों की पीड़ा, कमजोरों के साथ हो रहा अन्याय, युवकों की बेरोजगारी का दर्द तंग करने लगता है और फिर एक नहीं बल्कि आधा दर्जन से ज्यादा मंत्री और विधायक दूसरी पार्टी का झंडा और डंडा थाम लेते हैं। पंजाब में तो दो बहुत दुखद, पर रोचक दल बदल हुए। एक एमएलए भाजपा में गए। फूलों के हार पहनाए, पर अगले दिन ही वापस कांग्रेस में चले गए। अमृतसर जिले के एक कांग्रेस नेता चौबीस घंटे भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में न काट सके। वहां उन्हें जितने फूल और पटके मिले थे उतने घंटे बिताए बिना ही वे वापस कांग्रेस में आ गए। पंजाब का शायद ही ऐसा कोई शहर बचा हो जहां यह बीमारी स्वार्थी दल बदली की न फैल रही हो। उत्तराखंड का भी एक ऐसा ही उदाहरण है। उसके अनुसार अपनी पुत्रवधू के लिए जब टिकट प्राप्त नहीं कर सके तो फिर वापस कांग्रेस में चले गए। समाचार क्यों मिलता है भाजपा का पलटवार, कांग्रेस की पूर्व महिला अध्यक्षा भाजपा में आ गई। आदान-प्रदान हो रहा है। आप जानते ही हैं कि सत्तापतियों और धनपतियों को शगुन ज्यादा मिलता है। मुलायम सिंह की पुत्रवधू भी चुनाव लड़ने के लिए यूं कहिए घरेलू राजनीतिक क्लेश के कारण अब भाजपा की ध्वज वाहिका बन चुकी हैं। अब चुनाव पूर्व दल बदलने की बात छोड़िए, चुनावों के बाद जो शब्द राजनेताओं ने दिया हार्स ट्रेडिंग अर्थात घोड़ों की बिक्री, वह भी लोकतंत्र पर धब्बा है। दल बदल मन बदल न हो जाए। जनता यह सोचे कि जिन पर पार्टी के नेताओं को ही विश्वास नहीं उन पर जनता आखिर क्यों विश्वास करे। अभी तक तो वह चुनावी खर्च पर भी नियंत्रण नहीं कर सका। चालीस करोड़ उड़ाने वाले चालीस लाख के आंकड़े आयोग को दे देते हैं।

सू-दोकू नवताल -2030

		8	2		1		7	5
				4				1
6	4		5	3	7		8	
7		6		1		5	9	2
	9						6	
1	2	3		9		7		8
	5		1	7	4		2	6
8				2				
4	6		3		8	9		

सू-दोकू -2029 का हल

5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2030

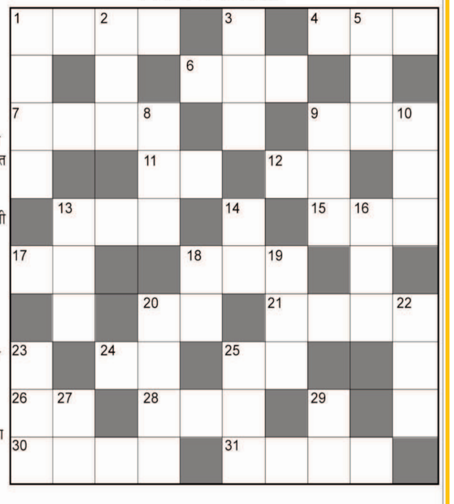

बायें से दायें:-

1. 'वादियां मेरा दामन' गीतवाली फिल्म-4
4. 'बेचारा दिल क्या करे' गीत वाली जीतेन्द्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
6. संजय दत्त, काजोल की 'प्यार को हो जाने दो' गीत वाली फिल्म-3
7. 'मुसाफिर हूं यारो' गीत वाली संजीव कुमार, जया भादुड़ी की फिल्म-4
9. रणधीर कपूर, रेखा की 'दिल मचल रहा है' गीत वाली फिल्म-3
11. 'फिल्म प्यार इश्क और मोहब्बत' में ईशा नायर की भूमिका किसने की है-2
12. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
13. 'लम्हा लम्हा टूट गए' गीत वाली सोहेल खान, स्नेहा की फिल्म-3
15. नवीन, आशा पारेख की 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली फिल्म-3
17. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
18. विश्वजीत, बबीता की 'आंखों में कयामत के काजल' गीत वाली फिल्म-3
20. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली आमिर, फैजल खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
21. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-4
24. 'आ जा रे ओ मेरे दिलबर आजा' गीत वाली फारुख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
25. फिल्म 'अग्निपथ' में मिथुन चक्रवर्ती के किरदार का नाम क्या था-2
26. सनी, त बू, रीमा सेन की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
28. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-3
30. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महिपाल, संध्या की फिल्म-4
31. धर्मेंद्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'है इसी में प्यार की आबरू' गीत वाली धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की फिल्म-4
2. विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'जिसे जलवों की हसरत हो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'बन्नो तेरी अंखियां' गीत वाली सनी देओल, जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की फिल्म-3
5. शशि कपूर, राखी की 'खिलते हैं गुल यहां खिल के बिखर जाने को' गीत वाली फिल्म-3
8. 'गर तुम भुला ना दोगे सपने ये सच ही होंगे' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
9. नासिर खान, मधुबाला की 'ऐ चांद प्यार मेरा तुझसे ये कह रहा' गीत वाली फिल्म-3
10. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
13. जैकी श्रॉफ जूही, अमृता सिंह की 'गोरिया रे गोरिया रे मेरा दिल चुराके' गीत वाली फिल्म-3
14. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-2
16. दिलीप कुमार, शर्मिला टैगोर की 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली फिल्म-3
18. 'कुर्ते की बईयां को' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
19. शरद कपूर, पूजा भट्ट की 'घर से मस्जिद' गीत वाली फिल्म-3
20. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली फिल्म-2,2
22. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-3
23. कपिल गुप्ता, आमिर अली, महक चहल की 'आवारा बादल नहीं मैं' गीत वाली फिल्म-3
15. लोकप्रिय पॉप गीत 'मेड इन इंडिया' की गायिका-3
17. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-2
29. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2029

फि	अ	र		ध	मा	ल		स्पी	ड
दा	ग		ध	र्मा		व	क्त		कै
	र	न		त्मा		र्स		अं	त
डॉ		का	ल		स		ग	जा	
न	सी	ब		प	हे	ली		म	न
	मा		जं	ग	ली		जा		ज
सा		जी		ला		शा	न	दा	र
व	च	न		क	सू	र		दा	
रि		त		हीं		दा	वा		ग
या	दें		शि	का	र		दा	मि	नी

टूटे हुए कांच के टुकड़ों का कुछ इस तरह से करें रियूज

अक्सर हम सभी टूटे हुए कांच के टुकड़ों को फेंक देते हैं। लेकिन अब जब भी आपको टूटे हुआ कांच मिले तो उसे फेंकने की बजाय उसका नए तरीके से इस्तेमाल करें। आप कांच के टुकड़ों से कई चीजें बना सकती हैं और पुरानी चीजों को नया लुक भी दे सकती हैं। जी हां, यह एक दम सच है। आज हम आपको बताएंगे कि आप टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आप क्या-क्या बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

फ्रेम बनाएं

अगर आप टूटे कांच को फेंक देती हैं तो अगली बार ऐसा न करें क्योंकि आप टूटे हुए कांच से घर की दीवारों को सजा सकती हैं। जी हां, आप कांच के टूटे हुए टुकड़ों से एक बेहद ही सुंदर फ्रेम बना सकती हैं। यह फ्रेम आपके घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाएगा। साथ ही कुछ सावधानियां बरतते हुए आप आसानी से कांच से फ्रेम बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

आवश्यक सामान

- कैनवास
- कांच के टूटे हुए टुकड़ें
- फैब्रिक पेंट
- ग्लू

बनाने का तरीका

- कांच के टूटे हुए टुकड़ों से फ्रेम बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कैनवास चाहिए होगा। आप कैनवास का साइज अपने घर की दीवार के हिसाब से चुन सकती हैं।
- इसके बाद फ्रेम को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए आपको कांच के टुकड़ों को पेंट करना होगा।
- कांच के टुकड़ों को अलग-अलग कलर्स से पेंट कर लें।
- पेंट करने के बाद उन्हें सूखने के लिए कुछ देर हल्की धूप में रख दें।
- जब कांच पर पेंट सूख जाएं इसके बाद व्हाइट कैनवास पर इन्हें ग्लू की मदद से चिपका लें।
- आप चाहें तो कांच के टुकड़ों को किसी पैटर्न में भी चिपका सकती हैं। इससे आपका फ्रेम मीनिंगफुल लगेगा
- लीजिए तैयार है आपका कांच के टुकड़ों से बना फ्रेम।

टेबल टॉप सजाएं

अगर आप फर्नीचर पुराना हो गया है तो आप अपने टेबल की टॉप को कांच के टुकड़ों से सजा सकती हैं। इससे आपके टेबल टॉप को नया लुक मिल जाएगा और अब आप दोबारा इसका इस्तेमाल कर पाएंगी। चलिए जानते हैं कैसे सजाएं कांच के टुकड़ों से टेबल टॉप को।

आवश्यक सामान

- कांच के टुकड़े
- ग्लू
- टेबल

बनाने का तरीका

- अगर आपका टेबल पुराना हो गया है तो उसे नया लुक देने के लिए आप कांच के टुकड़ों से टेबल के टॉप को सजा सकती हैं।
- इससे आपके टेबल को एक नया लुक मिलेगा।
- टेबल टॉप को सजाने के लिए सबसे पहले लकड़ी के टेबल पर ग्लू की मदद से कांच के टुकड़ों को चिपका लें।
- आप कांच के टुकड़ों को किसी भी तरीके से चिपका सकती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका नया टेबल टॉप।

गमला सजाएं

अब आपको बाजार से मंहगे और सजावटी गमले खरीदने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अब आप बेहद ही कम पैसे खर्च करके आसानी से घर पर गमले को सजा सकती हैं। आप कांच के टुकड़ों से गमला भी सजा सकती हैं। इसके लिए बस आपको कोई पुराना गमला चाहिए होगा। चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाता है।

आवश्यक सामान

- गमला
- कांच के टुकड़े
- फ्रैबिक कलर्स
- ग्लू

बनाने का तरीका

- गमले को नया लुक देने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से साफ कर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि गमले के बाहरी हिस्से पर किसी भी प्रकार की गंदगी जमी नहीं होनी चाहिए।
- इसके बाद कांच के टुकड़ों को एक ही कलर से पेंट कर लें।
- एक ही रंग आपके गमले को और भी सुंदर बनाएंगे।
- पेंट करने और सूखने के बाद ग्लू की मदद से एक-एक करके कांच के टुकड़ों को गमले पर चिपका लें।
- इस प्रकिया को तब तक दोहराएं जब कि आप पूरे गमले पर कांच के टुकड़े नहीं चिपका लेती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका खूबसूरत गमला।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- आपको कांच के टुकड़ों को पकड़ने के लिए गलव्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- इन कांच से बनी चीजों को अपने बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कांच के टुकड़ों से चीजें बना रही हों तो आपके आस- पास लोग न हों।

आपके पसंदीदा रंग में छिपा है आपके व्यक्तित्व का राज

हर व्यक्ति का अपना पसंदीदा रंग होता है। पसंदीदा न होने पर भी, हर किसी की रंगों के लिए कुछ प्राथमिकताएं जरूर होती हैं। आमतौर पर हर कोई अपनी पसंद के रंग के हिसाब से ही कपड़े पहनता है। रंग का चुनाव ऐसा होता है जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता है कि आप कैसे कार्य करते हैं, आपका व्यक्तित्व कैसा है, आपका स्वभाव कैसा है और दूसरे आपको कैसे देखते हैं। वैसे जरूरी नहीं है कि आपके व्यक्तित्व का रंग वही हो जो आप हमेशा पहनते हैं, यह आमतौर पर वह रंग होता है जो आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। लेकिन ये वास्तविकता है कि किसी भी व्यक्ति का पसंदीदा रंग उसके बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

काला रंग

यदि आपको काला रंग पसंद है, तो इस बात की तरफ इशारा करता है कि आप स्वभाव से शर्मीले हैं लेकिन जब भी स्थिति की आवश्यकता हो, अपने मन की बात कहने में विश्वास करें। आप आसानी से निराश नहीं होते हैं और जीवन की हर बाधा को दूर करने का प्रयास करते हैं। आप शक्ति और नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं, आप अपनी बातों को गोपनीय रखने पर जोर देते हैं और किसी के सामने खुली किताब की तरह नहीं आते हैं। केवल करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही जानते हैं कि आपके जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। आप अपने आस-पास और अपने द्वारा की जाने वाली चीजों में भी निर्मलता बनाए रखना पसंद करते हैं।

लाल रंग

लाल रंग आमतौर पर खतरे का संकेत देता है। हालांकि, रंगों का अर्थ विभिन्न पहलुओं में अलग-अलग होता है। अगर आपको लाल रंग पसंद है तो बताता है कि आप बाहरी दुनिया को पसंद करने वाले स्वभाव के हैं। आप आसानी से दोस्त बना सकते हैं और अजनबियों से बात कर सकते हैं। आप अपना जीवन एक राजा या रानी की तरह जीने में विश्वास रखते हैं। आप बिना किसी डर के अपने सपनों (जानें सपनों का मतलब) को समर्पित रहते हैं और उनके पीछे भागते हैं। इतना ही नहीं आप हर हाल में अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

गुलाबी रंग

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है और आप अपने आस-पास के लोगों को सहज महसूस कराते हैं। आप स्वभाव से भावुक हैं और अपनी भावनाओं का सामना करने से नफरत करते हैं। आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संतुलित बनाए रखना पसंद करते हैं क्योंकि आप दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। आप सपने देखने वाले स्वतंत्र उत्साही स्वभाव के व्यक्ति हैं।

नीला रंग

आपकी पसंद के रंग के हिसाब से ऐसा हो सकता है कि जब आप बहुत ही मधुर और मृदुभाषी दिखने की कोशिश करते हैं, तो लोगों को यह नहीं पता होता है कि आपके पास एक और पक्ष है जहां आप कठिन परिस्थितियों में अपने लिए खड़े हो सकते हैं। आप वफादार हैं और दोस्तों और परिवार के बहुत करीब हैं। आप स्वभाव से बहुत अधिक संवेदनशील भी हैं और नाटकीय परिस्थितियों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

हरा रंग

यदि आपका पसंदीदा रंग हरा है तो आप एक स्वतंत्र उत्साही व्यक्ति हैं और जीवन में रोमांच का आनंद लेते हैं। आप एक अत्यंत सामाजिक, अविश्वसनीय, स्नेही और वफादार व्यक्ति हैं। हालांकि, आप अक्सर बेचैन रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप एक चतुर व्यक्ति हैं, जो व्यापार प्रवृत्तियों के बारे में सहज समझ रखते हैं।

सफेद रंग

आप हर चीज में अच्छाई देखना पसंद करते हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो लोगों को शांत कर सकते हैं और स्वयं शांत रहने में विश्वास करते हैं। आप अक्सर अपने शब्दों को सावधानी से चुनते हैं और हर कोई आपके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता है। आप एक दयालु आत्मा हैं और लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, भले ही वे अजनबी क्यों न हों।

पीला रंग

यह परिभाषित करता है कि आप एक बहुत ही दिलकश स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप आशावादी हैं और गलत होने वाली चीजों को छोड़ने से इंकार करते हैं। आप बहुत ज्यादा भरोसेमंद हैं और हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखते हैं। आप गौरवशाली हैं और किसी भी जगह पर अपनी राय देने से डरते नहीं हैं। आपके व्यक्तित्व की वजह से लोग आपकी कंपनी पसंद करते हैं।

पर्पल कलर

आप एक कहानीकार हैं और दूसरे लोगों के विचार और राय सुनना पसंद करते हैं। आप स्वभाव से होशियार और मजाकिया हैं। आपको लोगों को सलाह देना पसंद है और आप इसे अपने दिल से पसंद करते हैं। आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपने आप में ऐसी क्षमता रखते हैं जो आपको दूसरों से अलग बनाती है।

इस तरह आपके पसंद के रंगों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। हालांकि ये एक सामान्य अवधारणा है और हर एक व्यक्ति के हिसाब से अलग प्रभाव डालती है।

बच्चे का हौसला बनें

सारा साल पढ़ाई स्कूल जाने के बाद बच्चों में जहां फाइनल एग्जाम का डर बना रहता है, वहीं इस बात की खुशी भी होती है कि वह नई क्लास में जाने वाले हैं। इसी के साथ पेरेंट्स को यह परेशानी सताती है कि कहीं इस बार पढ़ाई में उनके बच्चे के आगे कोई और स्टूडेंट न निकल जाए। अव्वल आने की इस होड़ में पेरेंट्स द्वारा बनाया गया दवाब उनके लिए मानसिक परेशानी बन जाता है। ऐसे में बच्चो को डांट-फटकार कर पढ़ाने की बजाए उनकी प्रॉब्लम को समझने की जरूरत है। कई बार तो कुछ पेरेंटस बच्चों को न पढ़ने पर सजा भी देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत बात है। मनोविज्ञानिक भाषा में इस समस्या को एंग्जाइटी डिसऑर्डर कहते हैं। बच्चे को इसमें धकेलने की बजाए इससे निकालने की कोशिश करें।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर

बहुत से बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या के कारण उनका स्वभाव बहुत ही चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसके कारण वह जो कुछ भी परीक्षा के लिए याद करते है वह सब कुछ भूल जाते हैं। फेल होने का डर, आत्मविश्वास में कमी भी इसी समस्या की निशानी है। कई बार तो तनाव से ग्रसित बच्चे घर से स्कूल के लिए निकल जाते हैं लेकिन स्कूल पहुंचते ही नहीं। इसी वजह से कुछ बच्चे गलत संगत में भी फंस जाते हैं। ऐसे में माता-पिता को उसे डांट कर पढ़ाने की बजाए प्यार से समझाने की जरूरत है। पढ़ाई में आने वाली मुश्किलों के लिए डांटें नहीं बल्कि उनकी मदद करें। इन तरीकों से तनाव रहित कर सकते हैं।

टाइम-टेबल को दें अहमियत

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे परीक्षा के दिनों में घबराएं नहीं तो आप शुरू में ही उनकी पढ़ाई का टाईम-टेबल बनाएं ताकि समय रहते उनका पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। जिससे बाद में उन्हें स्लेबस दोहराने का भी टाईम मिल जाए। इसे अपनाने से उन्हें परीक्षा के दिनों में किसी तरह का डर नहीं रहेगा और वह जो भी याद करेंगे, उसे कभी भी भूलगा नहीं।

पेपर पैटर्न को समझना जरूरी

एग्जाम में बैठने से पहले बच्चों को पेपर का तरीका समझने की बहुत जरूरत होती है। इससे बच्चे को किसी तरह की कंफ्यूजन नहीं रहेगी। ऐसे में आप बच्चे को पिछली बार का पैटर्न पेपर हल करने को दें। इस से भी उनका तनाव बहुत कम होगा। फाइनल परीक्षा में उसे किसी तरह की घबराहट नहीं होगी।

परीक्षा में जाने से पहले

डेट शीट आ जाने पर खुद भी बच्चे के साथ कमर कस लें। उसे पौष्टिक आहार खिलाएं ताकि किसी तरह की कमजोरी उसके प्रदर्शन में बाधा न बने। दूध, ड्राई फ्रूट, दहीं, सूप, सलाद आदि बैस्ट हैं। उस पर किसी तरह का दवाब न डालें, कुछ भी नया पढ़ाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से वह पहला पढ़ा भी भूल सकता है। पढ़ाई के अलावा थोड़ा हंसी-मजाक, गेम्स या फिर उसका फेवरेट प्रोग्राम भी देखने को दें लेकिन इसका समय सीमित होना बहुत जरूरी है। इससे वह परीक्षा अच्छे से दे पाएगा।

परीक्षा शुरू होने पर

सबसे पहले परीक्षा में वहीं प्रश्न का जबाव देने की सलाह दें जो उन्हें अच्छी तरह से आता हो। बच्चें प्रश्न पत्र को पढ़ने में हड़बड़ी न करें। अगर आपको किसी प्रश्न का जबाव नहीं आता। उस पर उलझे रहने की बजाए अगले सवाल को हल करें। सारा पेपर हल करने पर इसे जमा करने से पहले एक बार जांच लें। समय सीमा के बारे में बच्चे को बताना भी बहुत जरूरी है।

साड़ी के साथ स्टाइल की जा सकती हैं यह डिफरेंट स्टाइल बेल्ट

अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

साड़ी हमेशा ही भारतीय महिलाओं के स्टाइल का एक अहम हिस्सा रही है। चाहे घर हो या ऑफिस, महिलाएं इसे हर जगह पहनना पसंद करती हैं। साड़ी आउटफिट के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से बेहद आसानी से स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह आपको हर बार एक न्यू लुक मिलता है। हालांकि, अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। तो आज हम आपको कुछ ऐसी बेल्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं और आप भी उसे आसानी से कैरी कर सकती हैं।

लेदर बेल्ट

अगर आप एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेदर बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। आमतौर पर, लेदर बेल्ट को जींस या पैंट सूट के साथ पेयर किया जाता है। लेकिन अगर आप साड़ी में अपने स्टाइल को यूनिक बनाना चाहती हैं तो लेदर बेल्ट को स्टाइल करें। हालांकि, लेदर बेल्ट को साड़ी के साथ पहनते समय ध्यान दें कि आपकी साड़ी का कलर भी थोड़ा लाइट ही हो।

वाइड बेल्ट

अगर आप अपनी बेल्ट को ही अपने ओवर ऑल लुक में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक वाइड बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। साड़ी के साथ वाइड बेल्ट देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इन वाइड बेल्ट में आप मैचिंग बेल्ट से लेकर एंब्रायडिड बेल्ट का ऑप्शन चुन सकती हैं।

मैचिंग बेल्ट

यह एक ऐसा लुक है, जो अमूमन महिलाओं को इन दिनों काफी पसंद आ रहा है। इस लुक में आप अपनी साड़ी से मैचिंग बेल्ट को स्टाइल करें। आमतौर पर, इस लुक में आपकी साड़ी से मैचिंग ब्लाउज होता है और उसी मैचिंग फैब्रिक व कलर की बेल्ट को आप साथ में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह आपको बेल्ट में एक सटल लुक मिलता है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है।

एंब्रायडिड बेल्ट

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो ऐसे में आप एंब्रायडिड बेल्ट के ऑप्शन को चुन सकती हैं। यह बेल्ट आपके लुक को बेहद स्टनिंग बनाता है। इस बेल्ट की मदद से एक सिंपल साड़ी को भी डिजाइनर लुक दे सकती हैं। आप चाहें तो फ्रिल साड़ी के साथ भी एंब्रायडिड बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

थिन सिल्वर बेल्ट

यह आपको एक बेहद ही एलीगेंट लुक देता है। इस लुक में आप प्लेन साड़ी के साथ भी थिन सिल्वर बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप केजुअल्स से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस बेल्ट की खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह की साड़ी के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक बेल्ट

अगर आप एक ऐसी बेल्ट की तलाश में हैं जो हर तरह की साड़ी के साथ जचे तो ऐसे में आप ब्लैक बेल्ट को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप ब्लैक बेल्ट में भी डिफरेंट स्टाइल के ऑप्शन को चुन सकती हैं। खासतौर से, रेड कलर साड़ी के साथ ब्लैक बेल्ट बेहद ही स्टनिंग लुक देती है।

आरआईएल ने रिटेल कारोबार मजबूत बनाने किया 7600 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों के दौरान अपने रिटेल कारोबार को मजबूती देने के लिए 7600 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया है। रिलायंस रिटेल के एक अे धिकारी ने कहा कि यह निवेश कंपनी के रिटेल कारोबार से संबंधित अधिग्रहणों और विस्तार योजनाओं पर किया गया है। इस निवेश से हमें अपने ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाने, उनको उच्च क्वालिटी के प्रोडक्ट उपलब्ध कराने और अपनी डिलीवरी सर्विस में सुधार करने में सहायता मिलेगी। पिछले तिमाही में आरआईएल की रिटेल शाखा` रिलायंस` रिटेल वेंचर्स` लिमिटेड ने` रितिका प्राइवेट लिमिटेड में 52 फीसदी इक्विटी स्टेक का अधिग्रहण किया। इस अधिग्रहण में रितिका में इवरस्टोन ग्रुप की 35 फीसदी हिस्सेदारी भी शामिल है। इसके अलावा आरआरवीएल ने इपोनायमस ब्रांड में भी 40 फीसदी हिस्सेदारी ग्रहण की है। इसके अलावा इसी 9 महीने की अवधि में एक लीडिंग साड़ी और एथनिक वियर रिटलेर का भी अधिग्रहण किया गया है। इसके साथ ही कंपनी ने दक्षिण भारत के ही एक और रीजनल ग्रोसरी चैन का अधिग्रहण किया है।

गुड ग्लैम समूह ने ऑर्गेनिक हार्वेस्ट में बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त की

नई दिल्ली । गुड ग्लैम समूह ने कहा कि उसने सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल क्षेत्र की कंपनी ऑर्गेनिक हार्वेस्ट में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल कर ली है। समूह ने यह सौदा कितने में किया है इस बारें में स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। हालांकि कहा गया है कि समूह हार्वेस्ट ब्रांड को विकसित करने में अतिरिक्त 75 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। गुड ग्लैम समूह ने कहा कि ऑर्गेनिक हार्वेस्ट मुख्य रूप से एक ऑफलाइन ब्रांड रहा है। अब ऑर्गेनिक हार्वेस्ट को गुड ग्लैम समूह के डिजिटल ग्राहकों का लाभ मिल सकेगा।

उषा का ग्रामीण बाजार से आय 2023-24 तक 25 पहुंचचाने का लक्ष्य

कोलकाता । उषा इंटरनेशनल ने ग्रामीण बाजार में अपनी बिक्री 2023-24 तक बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। ग्रामीण बाजार में बिक्री मजबूत रहने से कंपनी उत्साहित है। उषा इंटरनेशनल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी अगले दो से तीन साल में ग्रामीण बाजार में अपनी पहुंच को दोगुना करने का प्रयास कर रही है। पंखा और छोटे उपकरण बनाने वाली कंपनी के राजस्व में फिलहाल ग्रामीण बाजार का हिस्सा 18-19 प्रतिशत है। हाल के त्योहारी सत्र में ग्रामीण बाजार में कंपनी की बिक्री 25 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण खंड में हमारी वृद्धि शहरी क्षेत्रों की तुलना में दोगुनी रही है। ग्रामीण बाजार के बड़े आकार को देखते हुए कहा जा सकता है कि वहां वस्तुओं और सेवाओं की खपत अधिक है। हमारा अनुमान है कि आगामी पांच साल में ग्रामीण क्षेत्र वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 20,000 से अधिक आबादी वाले कस्बों में जाने का है। इनमें से कम से कम 50-60 प्रतिशत ऐसे हों जिनकी आबादी 10,000 से अधिक हो। उषा के उत्पाद करीब 80,000 गांवों में उपलब्ध हैं।

भारत में माइक्रोमैक्स इन नोट -2 होगा 25 को लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में घरेलू स्मार्टफोन ब्रांड माइक्रोमैक्स 25 जनवरी को 'इन नोट 2' स्मार्टफोन पेश करने जा रही है। इसके डिजाइन को दिखाते हुए माइक्रोमैक्स ने एक छोटा टीजर वीडियो शेयर किया है। टीजर हमें नोट 2 की पहली झलक दिखाता है, जिसमें तीन तरफ संकीर्ण बेजेल्स और काफी बड़ी पंच-होल डिस्प्ले का खुलासा होता है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले माइक्रोमैक्स स्मार्टफोन नोट 2 में हाई रिफ्रेश रेट वाली एफएचडी प्लस रेजोल्यूशन स्क्रीन होगा। पूर्ववर्ती, माइक्रोमैक्स इन नोट 1 में 6.67-इंच का फुल एचडी प्लस आईपीएस डिस्प्ले है, जिसकी अधिकतम ब्राइटनेस 450 निट्स और 21ञ9 आस्पेक्ट रेश्यो है। हुड के तहत, फोन में मीडियाटेक हेलियो जी85 प्रोसेसर के साथ 4 जीबी रैम और 128 जीबी तक की इंटरनल स्टोरेज है। इन नोट 1 में 18 वॉट फास्ट चार्जिंग के साथ 5000 एमएएच की बैटरी है।

क्रिप्टोकरेंसी में अब तक भारतीयों के 6 लाख करोड़ हो चुके निवेश

क्रिप्टो के कारोबारी यदि फ्रॉड करके गायब हो जाएं तो निवेशकों की जमापूंजी डूबनी तय

मुंबई ।

क्रिप्टोकरेंसी में अब तक भारतीयों के 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश हो चुके हैं। देश में कुल 4 क्रिप्टो एक्सचेंज काम कर रही हैं लेकिन ज्यादातर निवेशकों को शायद ही पता हो ` कि यदि कोई हेराफेरी होती है तो वे कानूनी तौर पर कुछ भी नहीं कर पाएंगे। साइबर कानूनों के विशेषज्ञ और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील कहते हैं` कि अनरेगुलेटेड एक्सचेंज या क्रिप्टो के कारोबारी यदि फ्रॉड करके गायब हो जाएं तो निवेशकों की जमापूंजी डूबनी तय है। ऐसे में पीड़ित लोगों के पास सिर्फ दो विकल्प होंगे। दूसरा- कोर्ट में सिविल मुकदमा दायर करके एक्सचेंज या क्रिप्टो कारोबारी से हर्जाने की मांग करना लेकिन जिस मामले पर संसद अभी तक कोई कानून नहीं बना पाई है। एक वित्तीय कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि बैंक, म्यूचुअल फंड या जीरोधा जैसे स्टॉक ट्रेडिंग प्लेटफार्म खोलने के लिए कंपनियों को कई प्रकार के लाइसेंस, जांच और प्रतीक्षा अवधि से गुजरना पड़ता है। क्रिप्टो बाजार में इस तरह का कोई सरकारी सेफ्टी नेट नहीं है। अगर क्रिप्टो मार्केट में मैनीपुलेशन हुआ हो तो निवेशक का नुकसान तय है, क्योंकि उसके पास यह जानने का कोई कानूनी प्रावधान ही नहीं है कि उसके निवेश के साथ क्या हो रहा है। गौरतलब है` कि रिजर्व बैंक ने क्रिप्टो कारोबार को अवैध घोषित करने के लिए 2018 में सर्कुलर जारी किया था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2020 में निरस्त

कर दिया। इससे क्रिप्टो पर लगा प्रतिबंध हट गया। कई निवेशक अब इससे होने वाली कमाई से टैक्स दे रहे हैं, इसलिए यह गैरकानूनी भी नहीं है लेकिन इसे वैध बनाने के लिए केंद्र सरकार ने अभी तक कोई कानून नहीं बनाया है।

दूरसंचार विभाग मोबाइल विनिर्माण में दखल नहीं देगा: वैष्णव

नई दिल्ली :

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि दूरसंचार विभाग मोबाइल फोन विनिर्माण से जुड़े मामलों में दखल नहीं देगा। उनका यह बयान इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि उद्योग इस बात को लेकर चिंता रहा है कि यदि दूरसंचार विभाग ने देश में मोबाइल विनिर्माण को नियंत्रित करने का प्रयास किया, तो इससे उसे भारी-भरकम नियमों को झेलना पड़ेगा। वैष्णव ने सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर दृष्टि दस्तावेज जारी करने के मौके पर कहा, ''दूरसंचार विभाग किसी भी हालत में मोबाइल विनिर्माण में नहीं उतरेगा। इस बारे में व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं होगा।'' फिलहाल इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्राय मोबाइल विनिर्माण से संबंधित मामलों में नोडल संगठन है। वैष्णव ने कहा कि सरकार श्रम कानूनों को बेहतर करने के लिए उनमें समायोजन कर रही है। इसके जरिये बड़ी कंपनियों द्वारा बड़ी संख्या में श्रमबल की नियुक्ति को समर्थन दिया जाएगा और साथ ही कंपनी परिसर के भीतर ही आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

पीएफएस बोर्ड बैठक से पहले कॉरपोरेट प्रशासन से जुड़े मुद्दे हल करे- सेबी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज (पीएफएस) से कहा है कि वह बोर्ड की बैठक बुलाने से पहले कॉरपोरेट प्रशासन से जुड़े मुद्दों का समाधान करे, जिन्हें इसके पूर्व अध्यक्ष और निवर्तमान स्वतंत्र निदेशकों ने उठाया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि पूंजी बाजार नियामक ने पीएफएस को इन मुद्दों पर चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। इससे पहले बिजली समाधान मुहैया कराने वाली फर्म पीटीसी इंडिया की सहायक इकाई पीएफएस के बोर्ड की शनिवार को निर्धारित बैठक सभी स्वतंत्र निदेशकों की गैरमौजूदगी के चलते नहीं हो सकी थी। इसके बाद अब कंपनी को अपनी बोर्ड बैठक आयोजित करने के लिए सेबी की अनुमति लेनी जरूरी है। गौरतलब है कि एक असामान्य घटनाक्रम के तहत पीएफएस के सभी तीन स्वतंत्र निदेशकों कमलेश शिवजी विकमसे, संतोष बी नायर और थॉमस मैथ्यू टी ने कंपनी में कॉरपोरेट प्रशासन के मुद्दों के आधार पर बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

भारत का आईटी खर्च 2022 में 105 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद : गार्टनर

नई दिल्ली।

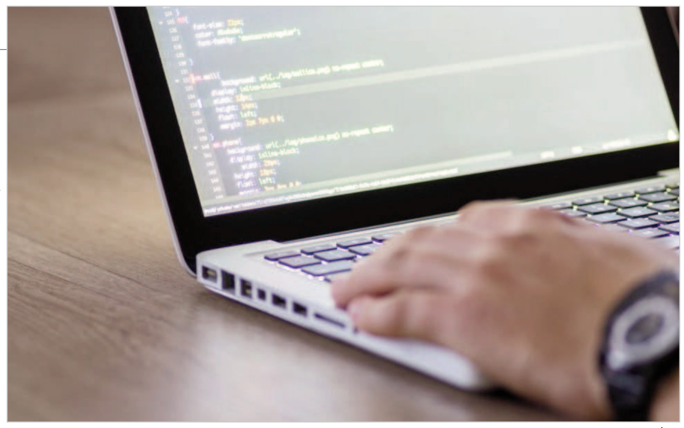

भारत में आईटी खर्च 2022 में 105.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2021 से 5.5 फीसदी अधिक है। ओमिक्राॅन वेरिएंट के संभावित प्रभावों के बावजूद, डिजिटल बाजार की समृद्धि के लिए उच्च उम्मीदों के साथ आर्थिक सुधार देश में प्रौद्योगिकी निवेश को बढ़ावा देना जारी रखेगा। गार्टनर के वरिष्ठ शोध निदेशक नवीन मिश्रा ने कहा, 2022 एक विकास वर्ष है क्योंकि भारतीय सीआईओ भारत में चल रहे ओमिक्रॉन डर के बावजूद अपनी दीर्घकालिक डिजिटल पहल में तेजी ला रहे हैं। अपने वैश्विक साथियों की तरह, भारतीय सीआईओ को भी कौशल की कमी के साथ चुनौती दी जाएगी, जिससे बाहरी सेवा भागीदारों पर निर्भरता बढ़ेगी। मिश्रा ने कहा, यह आईटी सेवा खंड पर खर्च को बढ़ावा देगा, 2021 की तुलना में 9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। भारत में सॉफ्टवेयर सेगमेंट में 15 प्रतिशत की वृद्धि के लिए क्लाउड-आधारित सॉफ्टवेयर खपत सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक होगी, जबकि डेटा सेंटर प्रौद्योगिकियों की मांग में वृद्धि 2022 में डेटा सेंटर सेगमेंट में 4 प्रतिशत की वृद्धि लाएगी। क्लाउड 2022 में एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर सेगमेंट में लगभग 11 प्रतिशत खर्च वृद्धि के लिए ज़िम्मेदार होगा क्योंकि संगठन निरंतर फ्लिेक्सिबिलिटी और एगिलिटी का समर्थन करने के लिए अपने सॉफ्टवेयर स्टैक को सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (एसएएएस) में अपग्रेड करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वैश्विक स्तर पर, 2022 में आईटी खर्च कुल 4.5 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 2021 से 5.1 प्रतिशत की वृद्धि है।

लगातार 5वें दिन टूटा शेयर बाजार, निवेशकों के डूबे 10.5 लाख करोड़ रुपए

बिजनेस डेस्क :

बाजार लागातार 5वें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स 1545.67 अंक यानी 2.62 फीसदी टूटकर 57,491.51 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 468.05 अंक यानी 2.66 फीसदी गिरकर 17,149.10 के स्तर पर बंद हुआ।

इस वजह से निवेशकों के 10.5 लाख करोड़ रुपए डूब गए। शुक्रवार को मार्केट कैप 270 लाख करोड़ रुपए था जो आज 260.44 लाख करोड़ रुपए रहा। आज के कारोबार में **BSE** के सभी सेक्टर इंडेक्स में बिकवाली देखने को मिली।

इंट्रा-डे में निफ्टी 17,000 के नीचे फिसला लेकिन फिर इसमें हल्की रिकवरी आई और यह अंत में 17100 के ऊपर बंद होने में कामयाब रहा। आज के कारोबार में रियल्टी, मेटल, **IT** इंडेक्स सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। आज के कारोबार में रुपया 14 पैसे कमजोर होकर 74.56 के स्तर पर बंद हुआ। दिग्गज शेयरों के साथ ही आज छोटे-मझोले शेयरों में भी भारी बिकवाली देखने को मिली। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 3.93 फीसदी टूटकर 23,970.71 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स 4.42 अंक गिरकर 28,642.29 के स्तर पर बंद हुआ।

पांच दिनों की गिरावट पर नजर

गौरतलब है कि भारतीय शेयर बाजार में लगातार पांच दिनों से गिरावट का सिलसिला जारी है।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शेयर बाजार में आई गिरावट इन पांच दिन में सबसे ज्यादा है। बीते दिनों में बंबई स्टॉक एक्सचेंज के सूचकांक सेंसेक्स में आई गिरावट के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो पिछले मंगलवार को इसमें 554, बुधवार को 656, गुरुवार को 634 और शुक्रवार को 427 अंक की गिरावट देखने को मिली थी। आज सेंसेक्स सूचकांक के सभी 30 शेयर दिनभर लाल निशान पर कारोबार करते हुए नजर आए। कारोबार के दौरान नायका, जोमैटो और पेटीएम जैसी कंपनियों के शेयर सबसे ज्यादा टूटने वाले शेयरों में शीर्ष पर रहे।

इन कारणों से आई बाजार में गिरावट

ग्लोबल बाजारों में हो रही बिकवाली

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से ब्याज दरों में बढ़त की संभावना ने पूरी दुनिया में बिकवाली का दबाव बढ़ा दिया है। यूएस फेड की अगली पॉलिसी मीट 25-26 जनवरी को होगी। एनालिस्ट को उम्मीद है कि 2022 में महंगाई में बढ़त की वजह से फेड की पॉलिसी में कड़ाई आएगी। इस साल फेड चार रेट हाइक लेगा। 21 जनवरी को खत्म हुआ हफ्ता अमेरिकी स्टॉक इंडेक्सों के लिए अब तक का सबसे बुरा हफ्ता रहा है। ब्याज दरों में बढ़ोतरी का भूत बाजार पर हावी दिखा।

औंधे मुंह गिरे टेक स्टॉक

पिछले कुछ महीनों के दौरान भारी वैल्यूएशन पर शेयर बाजार में लिस्ट हुए नए जमाने के टेक्नोलॉजी स्टॉक में जोरदार गिरावट देखने को मिली है। जिससे निवेशकों के सेंटिमेंट पर गहरी मार पड़ी है। खुदरा और हाई नेटवर्थ वाले निवेशकों ने इन स्टॉक्स पर भारी दांव लगाया था और अब उनको इनसे भारी झटका लगा है। यूएस फेड द्वारा इस साल कई बार ब्याज दर बढ़ाने की संभावना से इन शेयरों को सबसे ज्यादा झटका लगा है। पूरी दुनिया में और खासकर अमेरिका में टेक सेक्टर भारी दबाव में है।

कोविड के बढ़ते मामले

भारत में कोविड मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पिछले कुछ दिनों से 3 लाख केस से ऊपर बने हुए हैं। इसके चलते भी बाजार में चिंता बनी हुई है। तमाम राज्यों ने या तो प्रतिबंध बढ़ा दिए हैं या प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। एनालिस्ट का मानना है कि इससे नियर टर्म में इकोनॉमी गतिविधियों पर असर पड़ सकता है।

बढ़ती लागत से कंपनी के कमाई पर पड़ा असर

तीसरी तिमाही के नतीजों के शुरुआती रुझान से साफ है कि बढ़ता उत्पादन लागत खेल बिगाड़ने वाला साबित हो रहा है। इसकी वजह से एक और तिमाही में कंपनी के प्रॉफिट मार्जिन पर मार पड़ती दिखी है। हालांकि कंपनियों की आय उम्मीद के आसपास ही रही है।

एनालिस्ट का मानना है कि कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी और क्रूड ऑयल के भाव में बढ़त वर्तमान तिमाही में भी कंपनियों के मार्जिन पर दबाव देखने को मिलेगा।

सरकार अगले दो वर्षों में आठ लाख नए मोबाइल टावर लगाएगी

ग्रामीण क्षेत्रों में भी आसानी से मिल जाएगा मोबाइल नेटवर्क! 5जी आने से पहले बन रहा मेगा प्लान

नई दिल्ली ।

हाई-स्पीड 5जी नेटवर्क शुरू होने से पहले सरकार की अगले दो वर्षों में आठ लाख नए मोबाइल टावर लगाने की योजना है। इस योजना के साथ सरकार देश भर में दूरसंचार इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि कि चार टावर में से लगभग तीन ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से जुड़े हों ताकि उनकी डेटा-वहन क्षमता को बढ़ाया जा सके। योजनाओं पर पीएमओ के साथ चर्चा की गई है क्योंकि सरकार ने बड़े पैमाने पर जुड़े डिजिटल वातावरण को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं। ये कदम नए जमाने की तकनीक का समर्थन कर सकते हैं, जैसे कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ऑगमेंटेड व वीआर कास्ट, ऑटोनोमस ड्राइविंग और स्मार्ट होम समाधान। वर्तमान में देशभर में 6.8 लाख टावर हैं, वित्त वर्ष 2024 तक 15 लाख से ज्यादा टावर लगाए जाने हैं। सरकार चाहती है कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास का समर्थन करने के लिए पर्याप्त सपोर्ट हो क्योंकि इंटरनेट विभिन्न कार्यों के लिए केंद्र बन चुका है। तेजी से फाइबराइजेशन की रणनीति बनाने के लिए हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि जैसे-जैसे दूरसंचार कंपनियों की स्पेक्ट्रम होल्डिंग नियमित नीलामी के माध्यम से मजबूत होती जाती है, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में नए प्रयासों की आवश्यकता होती है।

टाटा मोटर्स को भरोसा 2022 में वृद्धि की रफ्तार को कायम रखेगी

मुंबई । भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स को भरोसा है कि वह इस साल भी वृद्धि की रफ्तार को कायम रखेगी। कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने आपूर्ति पक्ष के मुद्दों के सुलझने की उम्मीद जताकर कहा है कि इससे हमें बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। टाटा मोटर्स पंच, नेक्सन और हैरियर जैसे मॉडलों की बिक्री करती है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी ने अपने डीलरों को 99,002 वाहनों की आपूर्ति की है। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 68,806 इकाइयों के आंकड़े की तुलना में 44 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर, 2021 में कंपनी की कुल यात्री वाहन बिक्री 50 प्रतिशत के उछाल के साथ 35,299 इकाइयों पर पहुंच गई, जो दिसंबर, 2020 में 23,545 इकाई रही थी।कंपनी के अधिकारी ने बताया कि अब हमारे पोर्टफोलियो में हर मॉडल है। हमारे पास सात उत्पाद हैं और प्रत्येक मॉडल ने इस वृद्धि में योगदान दिया है।'' उनसे पूछा गया था कि क्या कंपनी को 2022 में भी अपनी वृद्धि की रफ्तार को कायम रखने की उम्मीद है। इसपर उन्होंने कहा कि आपूर्ति पक्ष के मुद्दे रहे हैं, जिसकी वजह हम अपनी कारों की श्रृंखला के लिए मांग संभावना का पूरी तरह दोहन नहीं कर पाए हैं।इसकारण मुझे भरोसा हैं, कि हम आगे भी आपूर्ति पक्ष की स्थिति में सुधार के बाद वृद्धि की रफ्तार को कायम रखने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने के लिए व्यापक वर्ग की दृष्टि से अधिक विकल्प लेकर आ रही है। पंच के साथ प्रवेश स्तर के एसयूवी खंड में उतरना इसका एक बेहतर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हम वृद्धि वाले नए क्षेत्रों के लिए नए मॉडल उतारना जारी रखने वाले हैं। पिछले दो साल से हम ऐसा कर रहे हैं। कंपनी ने एसयूवी और सीएनजी मॉडल उतारे हैं। साथ ही कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों की पेशकश जारी रखेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या सेमीकंडक्टर की आपूर्ति में कुछ सुधार हुआ है, उन्होंने कहा कि यह अभी सामान्य नहीं हुआ है। लेकिन इस तिमाही के लिए परिदृश्य पिछली तिमाही की तुलना में बेहतर दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि पिछली दो तिमाहियों की तुलना में यह 10 से 15 प्रतिशत बेहतर है।''

ओला इलेक्ट्रिक ने पांच अरब डॉलर के पूंजीकरण पर 20 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसने टेकने प्राइवेट वेंचर्स, अल्पाइन अपॉर्चुनिटी फंड, एडलवाइस और अन्य निवेशकों से 20 करोड़ डॉलर (करीब 1,490.5 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। कंपनी ने बताया कि वित्त पोषण के इस दौर में इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता का मूल्यांकन पांच अरब अमेरिकी डॉलर था। पिछले साल सितंबर में ओला इलेक्ट्रिक ने फाल्कन एज, सॉफ्टबैंक और अन्य निवेशकों से तीन अरब डॉलर (लगभग 22,272 करोड़ रुपए) के मूल्यांकन पर इतनी ही राशि जुटाई थी। ओला के सह-संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल ने कहा कि ओला इलेक्ट्रिक भारत में ईवी क्रांति पैदा कर रही है और पूरी दुनिया के लिए अत्याधुनिक विनिर्माण कर रही है। ओला एस1 जैसे अब तक के सबसे अच्छे स्कूटर के साथ हमने पूरे स्कूटर उद्योग को बदल दिया है और अब हम अपने अभिनव उत्पादों को बाइक के साथ ही कारों की श्रेणियों में लाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं निवेशकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं और भारत से ईवी क्रांति को दुनिया में ले जाने के लिए उनके साथ साझेदारी के लिए तैयार हूं। ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले साल अपने विनिर्माण संयंत्र फ्यूचरफैक्ट्री को चालू किया और उसका दावा है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा दोपहिया विनिर्माण संयंत्र है। इसके साथ ही कंपनी ने अपना इलेक्ट्रिक स्कूटर ओला एस1 पेश किया।

एयर इंडिया के स्टाफ को टाटा एथोस और वर्क कल्चर की ट्रेनिंग

नई दिल्ली ।

पिछले महीने ही टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया को खरीदा था। अब एक महीने बाद टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया के कुछ अधिकारियों को ट्रेन द ट्रेनर प्रोग्राम के तहत शामिल कर लिया है। एयर इंडिया के अलग-अलग ग्रुप के कई अधिकारी को टाटा इथोस और वर्क कल्चर आदि की ट्रेनिंग दी जाएगी। एयर इंडिया के कुछ विभाग के अधिकारी यह ट्रेनिंग लेंगे और उसके बाद वह अपने सहकर्मियों को इस बारे में जानकारी देंगे। टाटा के एक अधिकारी ने कहा कि आमतौर पर सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में सीनियरिटी के हिसाब से यह तय होता है कि कंपनी का बॉस कौन होगा, जबकि कॉर्पोरेट सेक्टर में ऐसा नहीं है। एयर इंडिया के स्टाफ को अब इस बात के लिए भी तैयार रहना होगा कि उनसे कोई कम उम्र का व्यक्ति भी उनका बॉस बन सकता है। उन्हें उसके तहत काम करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। अब तक टाटा ने एयर इंडिया के टेकओवर की तैयारियों से जुड़ी बातचीत पर कोई प्रक्रिया नहीं दी है।

अब से 69 साल पहले जेआरडी टाटा ने एयर इंडिया की स्थापना की थी। एयर इंडिया के ट्रांजिशन पीरियड में टाटा का कोई अधिकारी जिम्मेदारी भरे पद पर आ सकता है, जबकि एयर इंडिया के सीनियर अधिकारी अपने मौजूदा रोल में काम करते रहेंगे। एयर इंडिया के कामकाज में भी कुछ अधिक बदलाव होने की उम्मीद नहीं है।

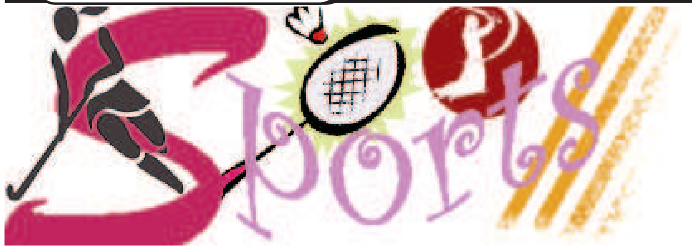

चाहर में ऑलराउंडर बनने की क्षमताएं : द्रविड़

केपटाउन । भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने युवा खिलाड़ी दीपक चाहर की जमकर प्रशंसा की है। द्रविड के अनुसार चाहर ने अवसर मिलने पर अपने को साबित किया है। उनमें एक बेहतर ऑलराउंडर नजर आता है। टीम उनकी इस क्षमता का पूरा उपयोगी करेगी। चाहर को अंतिम एकदिवसीय में अवसर मिला था। यहां उन्होंने पहले नई गेंद से विकेट लिया और फिर कठिन हालातों में अर्धशतक लगाया। द्रविड़ ने चाहर की बल्लेबाजी तकनीक की तारीफ की है। साथ ही कहा कि मैं उन्हें इंडिया ए के जमाने से जानता हूं। मुझे पता है कि गेंदबाजी के साथ-साथ वह अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। द्रविड़ ने कहा, उनके और शार्दुल ठाकुर जैसे लोगों का होना अच्छा है, तो जाहिर है इस तरह के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी जो निचले स्तर पर योगदान दे सकते हैं, निश्चित रूप से एक बड़ा अंतर बनाते हैं और हमें अधिक विकल्प देते हैं।ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को अहमदाबाद के कप्तान बनाए गए हो, लेकिन वह पूरी तरह मैच फिट ही नहीं हैं। पीठ के दर्द के चलते वह गेंदबाजी नहीं करते। इसके अलावा उनका बल्ला भी नहीं चल रहा। ऐसे में भारत उनका विकल्प तलाश रहा है। शार्दुल ठाकुर के बाद वेंकटेश अय्यर पर भी भारत की नजरें हैं, ऐसे में दीपक चाहर का एकबार फिर खुद को साबित करना, भारत के लिए अच्छा संकेत है।

भारतीय महिला खिलाड़ियों ने विश्व कप का सपना टूटने पर कहा, सब कुछ तबाह हो गया

नई दिल्ली ।

साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली भारतीय महिला फुटबॉल खिलाड़ियों का जीवन पिछले एक वर्ष के दौरान एएफसी एशियाई कप में खेलने और फीफा विश्व कप में जगह बनाने के सपने के इर्द गिर्द घूम रहा था लेकिन कोविड-19 ने एकदम से उनके सारे अरमानों पर पानी फेर दिया। कप्तान आशालता देवी से लेकर टीम में सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हेमम शिल्की देवी तक सभी के लिए एशियाई कप जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अवसर था जिसके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने से उनकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद भी बढ़ जाती। यदि विश्व कप में जगह नहीं मिलती तो वे अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में खेलते और यह भी भारतीय फुटबॉल के लिये ऐतिहासिक क्षण होता। लेकिन 12 खिलाड़ियों के वायरस से संक्रमित पाये जाने के कारण चीनी ताइपै के खिलाफ मैच रद्द करना पड़ा जिसके बाद सारे अगर-मगर भी समाप्त हो गए। एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने सोमवार को पुष्टि की कि भारत को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से हट गया मान लिया गया है। सीनियर खिलाड़ी और गोलकीपर अदिति चौहान ने कहा कि सब कुछ तबाह हो गया। एक अन्य खिलाड़ी ने कहा कि पिछले एक साल से हमारी जिंदगी एशियाई कप के इर्द गिर्द घूम रही थी। हमारा एकमात्र लक्ष्य के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाना और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदें बढ़ाना था। उन्होंने कहा कि हम इस समय बेहद दुखी और निराश हैं। लेकिन यह दुनिया का अंत नहीं है और उम्मीद है कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करते रहे तो हमें भविष्य में इसे हासिल करने के मौके मिलेंगे। यही सोचकर हम स्वयं को सांत्वना दे रहे हैं। कई खिलाड़ियों ने परिवार और समाज के विरोध के बावजूद इस खेल को अपनाया था। इनमें कप्तान आशालता भी शामिल थी जिन्हें अपने परिवार का विरोध झेलना पड़ा था। शिल्की के साथ भी ऐसा ही मामला था जो 16 साल की हैं और टूर्नामेंट की सबसे युवा खिलाड़ी हैं। किसी भी खिलाड़ी को अनुमति लिये बिना मीडिया से बात नहीं करने के लिए कहा गया है और यह भी पता चला है कि उन्हें होटल के अपने कमरों में ही रहने को कहा गया है और यहां तक वे एक दूसरे से मिल भी नहीं सकते हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि कोई भी जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) पूर्ण सुरक्षित नहीं है। कुछ अधिकारियों का मानना है कि टूर्नामेंट दो या तीन महीने के लिये स्थगित किया जाना चाहिए। तब तक भारत में महामारी की तीसरी लहर कमजोर पड़ जाएगी।

आजम को साल 2021 के लिए एकदिवसीय प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम को साल 2021 के लिए एकदिवसीय प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया है। आजम ने साल 2021 में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह मैचों में 67.50 की औसत से 405 रन बनाए थे। आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2-1 से मिली जीत में भी 228 रनों का अहम योगदान दिया था। पहले एकदिवसीय में उन्होंने शतक लगाया और आखिरी एकदिवसीय में 82 गेंद में 94 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था पर तब भी आजम अकेले मैदान पर जमे रहे। उन्होंने तीन मैचों में 177 रन बनाए हालांकि उन्हें दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला। अंतिम एकदिवसीय में उन्होंने इमामुल हक के साथ 92 रन की साझेदारी की। उन्होंने पहले 50 रन 72 गेंद में और अगले 50 रन 32 गेंद में पूरे किए जो इस साल उनका दूसरा शतक था। वहीं दक्षिण अफ्रीका के मराइस इरास्मस को तीसरी बार वर्ष का सर्वश्रेष्ठ अंपायर का अवार्ड मिला।

सीरीज में 3-0 से हार के बाद भारत को लगा एक और झटका, आईसीसी ने ठोका जुर्माना

केपटाउन : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों पर मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। आईसीसी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि लोकेश राहुल की टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम गेंदबाजी की थी। इसे ध्यान में रखते हुए मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट ने यह जुर्माना तय किया। आईसीसी से जारी बयान के मुताबिक, 'खिलाड़ियों और टीम के सहयोगी सदस्यों के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 (न्यूनतम ओवर-गति के जुर्माने से संबंधित) के अनुसार प्रत्येक ओवर की देरी के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।% राहुल ने इस आरोप को स्वीकार कर लिया जिस कारण औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं हुई। मैदानी अंपायर मराइस इरास्मस और बोंगानी जेले के अलावा तीसरे अंपायर अलाउद्दीन पालेकर और चौथे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने रविवार को मैच के बाद यह आरोप लगाये थे। दक्षिण अफ्रीका ने को इस मैच को चार रन से जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला में 3-0 की शानदार जीत दर्ज की।

मैदान में राहुल की सहायता करते नजर आये विराट

केपटाउन । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल की सहायता करते हुए नजर आये। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार के बाद टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। वहीं बीसीसीआई ने इस सीरीज के पहले विराट कोहली की जगह रोहित शर्मा को एकदिवसीय और टी20 का कप्तान बनाया था पर रोहित चोटिल होने के बाद सीरीज से बाहर हो गये थे। ऐसे उपकप्तान राहुल को टीम की कप्तानी दी गयी थी। राहुल पहली बार कप्तानी कर रहे थे। ऐसे में विराट को समय-समय पर उसनी सहायता के लिए आगे आना पड़ा। पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी इसी प्रकार कप्तानी छोड़ने के बाद विराट की सहायता करते थे। राहुल को सलाह देते हुए और क्षेत्ररक्षण जमाने में सहायता करने की कोहली की कई तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर जारी हुई हैं। विराट कुछ रणनीति भी उन्हें बताते दिखे। इसे देखकर प्रशंसकों ने कहा कि कोहली कप्तान चाहे न रहे हो पर उन्हें खेल से बाहर नहीं रखा जा सकता क्योंकि उनके पास काफी अनुभव है। टीम इंडिया को इस दौरे पर टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

खिलाड़ियों को सुरक्षा मिलेगी लेकिन हमें भी अच्छा प्रदर्शन चाहिए : द्रविड़

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका दौरे पर शर्मनाक प्रदर्शन पर मंथन करते हुए भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि खिलाड़ियों को स्थिरता और सुरक्ष मिलेगी लेकिन उनसे भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। भारत को टेस्ट श्रृंखला में 1.2 और वनडे में 0.3 से पराजय झेलनी पड़ी। मैदान के बाहर कई मसलों और बदलाव के दौर से जूझ रही दक्षिण अफ्रीका टीम ने उसे हराया। द्रविड़ उनमें से नहीं है जो खिलाड़ियों का नाम लेकर कुछ कहें लेकिन मध्यक्रम के कुछ बल्लेबाजों को कई मौके दिए जाने के बाद प्रदर्शन की उम्मीद से उनका आशय श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत की ओर था। उन्होंने तीसरे वनडे के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हमने उन्हें लगातार मौके दिए हैं और हम चाहते हैं कि वह अपनी जगह को लेकर सुरक्षित महसूस करें।' उन्होंने कहा, 'लेकिन सुरक्षा और मौके देने के साथ आप प्रदर्शन की भी उम्मीद करते हैं । इस स्तर पर खेलने वालों से यही अपेक्षा रहती है कि जरूरत के समय वे अच्छा प्रदर्शन करें। हम हरसंभव स्थिरता रखना चाहते हैं।' श्रेयस तीन मैचों में 17, 11 और 26 रन ही बना सके। द्रविड़ ने कहा, 'आप चौथे, पांचवें या छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं तो आपको पता होना चाहिए कि टीम की जरूरत क्या है। श्रेयस तीनों मैचों में जल्दी आउट हो गया। हमें पता है कि ये सभी अच्छा प्रदर्शन करते आए हैं और हम हरसंभव उनका साथ देंगे। लेकिन टीम में हर जगह के लिए प्रतिस्पर्धा बहुत है और इन हालात में यह आसान नहीं होता।'

शोएब अख्तर चाहते थे विराट 120 शतक बनायें

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अब भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को लेकर एक और बयान दिया है। पहले जहां अख्तर ने कहा था कि विराट को जबरन कप्तानी से हटाया गया है, वहीं अब कहा है कि वह कोहली की जगह होते तो शादी नहीं करते क्योंकि उन्हें अपने क्रिकेट पर ध्यान देना ज्यादा अच्छा लगता। अख्तर ने कहा, %%मुझे नहीं पता कि क्या सही है, क्या गलत है। अब यहां से कैसे आगे बढ़ना है, यह मायने रखता है। कोहली पर प्रदर्शन का दबाव होगा। मैं चाहता था कि वह 120 शतक बनाए और कप्तान न बने और मैं नहीं चाहता था कि वह शादी करे।%% साथ ही कहा कि अगर मैं भारत में होता और तेज गेंदबाज होता तो मैं शादी नहीं करता। मैं अपने क्रिकेट पर ध्यान देता यह मेरी सोच है। यह कोहली का निजी फैसला था। अगर आपने मुझसे पूछा होता तो मैं अपने क्रिकेट पर ध्यान देता।÷ अख्तर का यह भी मानना है कि कोहली हाल के घटनाक्रम से नाराज हो सकते हैं पर उनको अपना गुस्सा बल्ले से अच्छा करके दिखाना चाहिये। उन्होंने कहा कि कोहली को यह समझने की जरूरत है कि वह खेल के महान खिलाड़ी हैं और वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 और शतक बनाने में सक्षम हैं।

स्मिथ ने बीसीसीआई का आभार व्यक्त किया

केपटाउन ।

दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि कोरोना महामारी के बीच भी जिस प्रकार भारतीय टीम ने उनके देश का दौर किया है। उसके लिए हम भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) के आभारी हैं। स्मिथ ने कहा कि विपरीत हालातों में भी इस दौरे पर आकर भारतीय टीम ने आपसी सहयोग की एक मिसाल पेश की है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी क्षमता पर भरोसा जताने के लिये भारतीय खिलाड़ियों और बीसीसीआई को धन्यवाद देते हुए कहा है कि उनकी असाधारण प्रतिबद्धता से दूसरों को भी प्रेरणा मिलेगी। कोरोना वायरस के नये संस्करण ओमीक्रोन का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में आने के बाद भी बीसीसीआई ने यह दौरा रद्द नहीं किया। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने इस दौरे पर तीन टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेले। स्मिथ ने ट्वीट किया ,'' बीसीसीआई , जय शाह , सौरव गांगुली और भारतीय खिलाड़ियों तथा प्रबंधन को धन्यवाद जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट की क्षमताओं पर भरोसा किया। साथ ही कहा कि अनिश्चितता के इस दौर में आपकी प्रतिबद्धता ने एक मिसाल पेश की है जिसका दूसरे अनुसरण कर सकते हैं।''

माना जा रहा है कि स्मिथ का संकेत ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) की ओर था। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल कोरोना महामारी के कारण दक्षिण अफ्रीका का तीन टेस्ट का दौरा स्थगित कर दिया था। वहीं इंग्लैंड टीम दिसंबर 2020 में बायो बबल में कोरोना के मामले आने के बाद सीमित ओवरों की श्रृंखला बीच में छोड़कर स्वदेश लौट गयी थी।

दो साल और कप्तानी कर सकते थे विराट : शास्त्री

रोहित को बनाये टेस्ट कप्तान

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि विराट कोहली अभी दो साल और भारतीय टीम की कप्तानी कर सकते थे। विराट ने हाल ही में भारतीय टीम की टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में मिली हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। शास्त्री ने कहा, 'मेरे हिसाब से विराट आसानी से अगले दो साल तक कप्तानी कर सकते थे पर अब जबकि उन्होंने पद छोड़ दिया है, तो हम सभी को उनके फैसले का सम्मान करना चाहिए।' शास्त्री ने साथ ही कहा कि अब रोहित शर्मा को टेस्ट कप्तान बनाया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि रोहित को पहले ही टेस्ट टीम का उपकप्तान बनाया था। ऐसे में उन्हें कप्तान बनाने में कोई समस्या नहीं है। वैसे भी रोहित हर प्रकार से सक्षम और योग्य उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा, 'पहली बात टीम इंडिया का भविष्य शानदार है। सात साल में मैंने जो देखा है, जो नई प्रतिभाएं आ रही है, वो विशेष हैं। वहीं कप्तानी की बात करें तो रोहित को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया था। इसका मतलब है कि उन्हें कप्तान बनाए जाने के बारे में सोचा जाना चाहिए।' शास्त्री ने साथ ही कहा कि उसी को टीम का उप-कप्तान बनाया जाना चाहिये जिसकी जगह पक्की हो क्योंकि उस खिलाड़ी को उपकप्तान बनाने से लाभ नहीं है जिसे अंतिम ग्यारह में ही जगह नहीं मिल पाये। विराट की कप्तानी में भारतीय टीम के आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाने के सवाल पर शास्त्री ने कहा कि केवल कपिल देव और महेन्द्र सिंह धोनी ही कप्तान के तौर पर एकदिवसीय विश्वकप जीत सके है। इसका मतलब यह तो नहीं कि किसी ओर कप्तान के बारे में बात ही नहीं हो।

डिकॉक ने तीसरे एकदिवीय मैच में शतक के साथ ही बनाये कई रिकार्ड

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज क्वींटन डी कॉक ने भारत के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। डी कॉक ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग का भी एक रिकार्ड तोड़ा है। डी कॉक ने तीसरे एकदिवसीय में 130 गेंदों पर 12 चौके और दो छक्के लगाकर 124 रन बनाए थे। यह डी कॉक के करियर का 17वां शतक और भारत के खिलाफ अब तक सीरीज में छठा शतक है। इससे पहले सचिन के नाम दोनो देशों के बीच सीरीज में पांच शतक लगाने का रिकार्ड था। डिकॉक ने विरोधी टीम के खिलाफ सबसे तेजी से छह शतक पूरे किये हैं। उन्होंने इस मामले में सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सहवाग ने 23 पारियों में न्यूजीलैंड के सबसे तेज छह शतक बनाए थे जबकि डिकॉक ने भारत के खिलाफ 16 पारियों में ही छह शतक बनाये हैं। डिकॉक का साथ ही भारत के खिलाफ एकदिवसीय में अबतक का यह छठा शतक था और उन्होंने इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी रिकी पोंटिंग और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है।

भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा : केएल राहुल की कप्तानी पर सवाल, कुछ करियर ढलान पर

नई दिल्ली ।

कंफ्यूजड सा नजर आने वाला कार्यवाहक कप्तान, अपने करियर की ढलान पर पहुंचे कुछ सीनियर खिलाड़ी और सीमित ओवरों के क्रिकेट में रूढ़िवादी रवैये। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भारत के प्रदर्शन की कुल जमा तस्वीर यही रही और अब आत्ममंथन के लिए कई सवाल टीम प्रबंधन के सामने होंगे। इस दौरे पर रवाना होने से पहले ही संकेत मिल गए थे कि सब कुछ ठीक ठाक नहीं रहने वाला है जब तत्कालीन टेस्ट कप्तान विराट कोहली की बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों से ठन गई थी। पूरा प्रकरण टीम की रवानगी से पहले सही नहीं था लेकिन पहले टेस्ट में मिली जीत के बाद यह हाशिए पर चला गया। टेस्ट श्रृंखला जीतने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका टीम के सामने कार्यवाहक वनडे कप्तान केएल राहुल के करने के लिए बहुत कुछ बचा नहीं था। कोहली भले ही स्वीकार नहीं करें लेकिन सच यही है कि बतौर क्रिकेटर वह अपने करियर के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। तीन में से दो प्रारूपों में कप्तानी उन्होंने छोड़ी और एक से उन्हें हटा दिया गया। लेकिन वह कोहली हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में यूं ही शुमार नहीं होते। अपने इर्द गिर्द तमाम सुर्खियों के बावजूद उन्होंने तीसरे टेस्ट में 79 रन बनाए। वनडे में भी उन्होंने दो अर्धशतक जड़े लेकिन वह अपनी चिर परिचित लय में नही थे। केपटाउन टेस्ट में डीआरएस का एक फैसला अनुकूल नहीं आने पर प्रसारकों पर भड़ास निकालने से उनकी ख्याति को ठेस पहुंची और भारत की मैच में वापसी की संभावना को भी। टेस्ट श्रृंखला हारने के बाद कोहली ने कप्तानी छोड़ दी लेकिन उनके वारिस के रूप में देखे जा रहे राहुल प्रभावित नहीं कर सके।

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि क्या केएल राहुल किसी भी नजरिये से कप्तान लग रहा था। उनसे पूछा गया था कि रोहित की फिटनेस समस्याओं के कारण क्या राहुल को टेस्ट कप्तान बनाया जा सकता है। समझा जाता है कि कोच राहुल द्रविड़ राहुल को दीर्घकालिन विकल्प के रूप में देखते है और यही वजह है कि उन्होंने उसकी कप्तानी का बचाव किया। उसने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। कप्तानी का मतलब अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना भी है। वनडे टीम में संतुलन की कमी दिखी। वह समय के साथ सीखेगा। भारत ऐसी टीम से हारा जो बदलाव के दौर से गुजर रही है और जिसके कोच पर नस्लीय दुर्व्यवहार के आरोप लगे हैं।

द. अफ्रीकी कोच मार्क बाउचर बोले- भारत के खिलाफ मिली जीत हमारे लिए बहुत जरूरी थी

केपटाउन । लंबे समय से बदलाव के दौर से गुजर रही दक्षिण अफ्रीका टीम के मुख्य कोच मार्क बाउचर का मानना है कि बदलाव का दौर पहले ही पूरा हो चुका था लेकिन भारत के खिलाफ मिली जीत जैसे नतीजे की जरूरत थी ताकि टीम का आत्मविश्वास बढ़ सके। प्रशासनिक संकट, सितारा खिलाड़ियों के संन्यास और नस्लवाद के आरोपों से दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट पिछले 24 महीने से जूझ रहा है। भारत को टेस्ट श्रृंखला में 2 -1 से और वनडे श्रृंखला में 3-0 से हराने के बाद बाउचर ने कहा कि हमने अपने सफर के बारे में बात की। हम 3-0 से जीतना चाहते थे। हमने काफी कठिन समय देखा है और उसके गुजरने के बाद ही अच्छे दौर की अहमियत बढ़ जाती है। हम इस नतीजे की तारीफ करते हैं लेकिन हमारे पैर जमीन पर है। यह हमारी सतत यात्रा का एक सुखद अध्याय है। हमारे पास तेम्बा बावुमा जैसा कप्तान है जिसके भीतर जीत की ललक है और यह अच्छी बात है । नस्लवाद के आरोपों में अनुशासनात्मक सुनवाई का सामना कर रहे पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने बतौर कोच अपने करियर में आए खराब दौर के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने इस बात का भी जवाब नहीं दिया कि भारत पर मिली जीत क्या उनके कोचिंग करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने कहा कि मैं इसका जवाब नहीं दे सकता। प्रगति अच्छी रही है और लंबे समय पहले ही हम बदलाव के दौर से उबर चुके थे लेकिन इस तरह के नतीजे की जरूरत थी।

दीपक तले अंधेरा

विकासमॉडल माना जानेवाला गुजरात राज्य के सूरत शहर में प्राथमिक सुविधाओं से वंचित लोग

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत महानगर पालिका लिंबायत जोन के अंतर्गत स्थित गायत्री नगर ए-1 सोसायटी में आज भी रोड और स्ट्रीट लाइट जैसी प्राथमिक सुविधाओं से वंचित या यूं कहा जा सकता है दीपक तले अंधेरा है क्योंकि सूरत महानगर पालिका को विकास के नाम पर हर साल अवार्ड मिलता लेकिन क्या इन सोसायटीओं को नजरअंदाज किया जाता है कि यहां पर प्राथमिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं है, क्या यहां की जनता म्युनिसिपल टैक्स नहीं भर्ती या फिर वार्ड नंबर 27 के जीते हुए पार्षदों द्वारा इस सोसाइटी के बारे में कोई विचार विमर्श नहीं किया जाता आखिर क्यों यह सोसाइटी प्राथमिक सुविधाओं से वंचित है?

पीएम मोदी ने सूरत की 'रबर गर्ल' अन्वी झांझरूकिया को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' से किया सम्मानित

अहमदाबाद ।

कहते हैं हौसले बुलंद हो और कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो इनसान कोई भी मुकाम हासिल कर सकता है। इस बात को चरितार्थ किया है सूरत की दिव्यांग बेटी अन्वी झांझरूकिया ने। जिसने अपने हौसलों की परवाज से उस मंजिल को हासिल किया है, जहां तक पहुंचना आम लोगों के लिए बस एक स्वप्न होता है। योग के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए अन्वी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार से सम्मानित किया है। अपनी शारीरिक अक्षमता के बावजूद निरंतर कड़ी मेहनत और सीखने की ललक से योगासन में महारत हासिल कर 'द रबर गर्ल' का तमगा प्राप्त करने वाली सूरत की बच्ची अन्वी झांझरूकिया को सोमवार, 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2022' से नवाजा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए देशभर से 600 बच्चों की ओर से आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसके अंतर्गत वर्ष 2022 के लिए 29 बच्चों का चयन किया गया। जिसमें गुजरात की एकमात्र सूरत की बेटी अन्वी ने यह पुरस्कार हासिल कर पूरे गुजरात का नाम रोशन किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस बेटी को 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' का उपयोग करके अवॉर्ड एवं एक लाख रुपए की धनराशि प्रदान की। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पांच से अठारह वर्ष की आयु के बच्चों को खेल, समाज सेवा, शिक्षा, कला संस्कृति और वीरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात की इस 13 वर्षीय दिव्यांग बेटी को राष्ट्रीय बाल पुरस्कार का सम्मान प्राप्त करने के लिए बधाई दी है। सूरत और गुजरात का गौरव बढ़ाने वाली इस बेटी को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर गिर सोमनाथ जिले में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

अन्वी जन्मजात कई तरह की शारीरिक एवं मानसिक बीमारियों से जूझ रही है। जन्मजात ह्रदय विकार होने के कारण उसकी ओपन हार्ट सर्जरी हो चुकी है और अभी उसे माइट्रल वाल्व लीकेज है। 21 ट्राइसोमी एवं हार्श स्प्रिंग डिजीज के कारण बड़ी आंत में भी क्षति है। 75 फीसदी बौद्धिक दिव्यांगता वाली अन्वी को बोलने में भी कठिनाई होती है। इसके बावजूद उसने 11 वर्ष की उम्र से योग सीखना शुरू किया और योग के चलते ही आज उसने यह उपलब्धि हासिल की है। अनेक शारीरिक समस्याओं और बाधाओं के बावजूद अन्वी ने दृढ़ मनोबल एवं कड़े परिश्रम के बूते योग के क्षेत्र में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की अनेक प्रतिस्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीता है। पिछले तीन वर्षों में उसने राष्ट्रीय स्तर की योग प्रतिस्पर्धाओं में 3 स्वर्ण पदक और 2 कांस्य पदक जीते हैं। कुल 42 योग प्रतियोगिताओं में भाग लिया है और 51 पदक अर्जित किए हैं। अन्वी 112 से अधिक योगासन कर सकती है। इतना ही नहीं, अन्वी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दो लाख से ज्यादा लाइक भी हासिल किए हैं।

इंटुक ने अवैध गतिविधियों में शामिल औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

सोमवार को इंटुक नेताओं ने सूरत जिला कलेक्टर और जीपीसीबी संभागीय अधिकारी को ज्ञापन देकर अवैध गतिविधियों में शामिल औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में में बताया गया है कि सूरत शहर में सचिन जीआईडीसी, पांडेसरा जीआईडीसी, पलसाना इको पार्क, बालेश्वर सहित सूरत जिले के अन्य क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक इकाइयों द्वारा कानून का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। उक्त इकाइयों द्वारा रात के समय लोगों के स्वास्थ को बुरी तरह हानि पहुँछाने वाला जहरीला प्रदूषण छोड़ने का काम किया जा रहा हैं। हाल ही में जीपीसीबी की आपराधिक लापरवाही के कारण सचिन जीआईडीसी में एक टैंकर से फेंके जा रहे जहरीले रसायन से 6 श्रमिकों की मौत हो गई थी। उपरोक्त औद्योगिक इकाइयों द्वारा छोड़े जा रहे जहरीले प्रदूषण के कारण सचिन जीआईडीसी, पांडेसरा जीआईडीसी, पलसाना इको पार्क, बालेश्वर और अन्य क्षेत्रों की औद्योगिक इकाइयों के आसपास के लोग अस्थमा और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार औद्योगिक इकाईयों से तरल, गैसीय अथवा कूड़े रूप में निकलने वाले वेस्ट का निस्तारण दिशा-निर्देशों के अनुसार करना होता है किन्तु औद्योगिक इकाइयों द्वारा दिशा-निर्देशों के अनुसार इसका निस्तारण करने के बजाय रात के समय इसे छोड़ दिया जाता है जिसके चलते शहर के पर्यावरण को नुकसान व औद्योगिक इकाइयों में काम करने वाले श्रमिकों और आसपास के निवासियों के स्वास्थ्य को हानि पहुँचती रही हैं। साथ-साथ औद्योगिक इकाइयों द्वारा श्रम अधिनियम, पीएफ अधिनियम, कारखाना अधिनियम, ईएसआईसी अधिनियम का खुला उल्लंघन किया जा रहा हैं। मजदूरों को न्यूनतम वेतन, पीएफ ईएसआईसी, तथा सुरक्षा उपकरण से भी वंचित रखा जा रहा हैं। और साथ ही श्रमिकों को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य उन्मुख सुविधाएँ भी नहीं दी जा रही हैं। एवम महिला श्रमिकों को वह सुविधाएँ या लाभ नहीं मिल रहे हैं जो उन्हें कानून के अनुसार मिलनी चाहिए।

इंटुक अग्रणी शान खान ने बताय की हमें प्राप्त हुई सूचना के अनुसार लगभग 287 डाईंग-प्रिंटिंग व रासायनिक इकाइयां बिना किसी अनुमति के अवैध रूप से चल रही हैं। जिसने द्वारा जहरीले लिक्विड वेस्ट को अवैध रूप से मनपा की स्ट्रोम ड्रेनेज की गटरों में डाला जा रहा है जो एक बहुत ही गंभीर मामला है। इसलिए हमने उपरोक्त औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सूरत जिले के महुवा के शिक्षक दंपत्ति की बेटी नीट में लाई 651 अंक, एमबीबीएस में मिलेगा प्रवेश

सूरत।

मेडिकल में 12वीं के बाद दाखिले के लिए लिए गए नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा)-2021 का परिणाम घोषित कर दिया गया है.सूरत जिले के महुवा तालुका के खरवां भट फलिया के एक शिक्षक दंपत्ति की बेटी खुशी धोड़िया पटेल ने गुजरात में एसटी वर्ग में प्रथम रैंक और अखिल भारतीय में छठा स्थान हासिल करते हुए 720 में से 651 के स्कोर के साथ शानदार सफलता हासिल की है।

नीट में सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करने वाली 18 साल की खुशी पटेल ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते ऑफलाइन पढ़ाई बंद कर दी गई और नीट की तैयारी के लिए उन्होंने ऑनलाइन पढ़ाई की। मेरी मां निताबेन और पिता प्रवीणभाई दोनों शिक्षक हैं, और वे वर्तमान में पंचमहल के हॉल में ड्यूटी पर हैं। उनसे प्रेरित होकर मैंने बचपन से ही डॉक्टर बनने और लोगों की सेवा करने का सपना देखा था। मैंने पार्थ स्कूल ऑफ साइंस, वडोदरा में उच्च माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की है, जहाँ मुझे अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाने में महान योगदान मिला है।

इसलिए उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अध्ययन के लिए दिन में 12 घंटे अलग रखे। खुशी ने आगे कहा, "एनआईटी के घोषित परिणाम में गुजरात में एसटी वर्ग में पहला स्थान पाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।" अपने माता-पिता के प्रोत्साहन और दिन-रात की तैयारी के लिए सहयोग के लिए धन्यवाद, मैं अब एमबीबीएस में प्रवेश लेकर डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर पाऊंगा। मैं अब एम्स संस्थान में प्रवेश पाने के लिए उत्सुक हूं। आज मनचाही सफलता मिलने के बाद ऐसा लगता है कि मेरी मेहनत आखिरकार रंग लाई है।

खुशी के पिता प्रवीणभाई पटेल ने बताया कि खुशी बचपन से ही पढ़ाई में होशियार रही है। बेटी को उच्च शिक्षा दिलाने और डॉक्टर बनने का हमारा सपना अब साकार होगा। बेटी देश का भविष्य है, इसलिए मैं लोगों को यही संदेश दूंगा कि बेटी को भी बेटे के समान शिक्षा दी जाए। मैं स्पष्ट रूप से मानता हूं कि बेटी हमेशा माता-पिता का हित चाहती है, और परिवार के नाम को आगे बढ़ाने का प्रयास करती है।

राज्य की विकास यात्रा में शहरी विकास का अहम योगदान: मुख्यमंत्री

गांधीनगर - मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को राजकोट में 42.38 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित लक्ष्मी नगर रेलवे अंडर ब्रिज का नामकरण शहीद सीडीएस बिपिन रावत के नाम पर कर उसका ई-लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकोट महानगर पालिका ने कोरोना की वैश्विक महामारी के दौर में राज्य सरकार के मार्गदर्शन के अंतर्गत विकास के कार्यों को समय पर पूरा किया है। राजकोट महानगर को आधुनिक रूप देने और जनकल्याण के लिए वर्तमान में जारी अनेक परियोजनाओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की विकास यात्रा में शहरी विकास का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आगे कहा कि शहरों में एक ही तरह के कार्य करने के बजाय राज्य सरकार ने समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए शहरी विकास की नई व्याख्या तय कर लोगों के सर्वांगीण कल्याण के कार्य प्रारंभ किए हैं। इस संदर्भ में उन्होंने यह स्पष्ट किया कि लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं के प्रतिवेदन और उसके निराकरण को लेकर तीव्र एवं परिणामोन्मुखी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने निरंतर देखरेख के साथ एक कार्य व्यवस्था लागू की है। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान जारी है। हम 'आजादी का अमृत महोत्सव' भी मना रहे हैं, तब गुजरात में शहरी विकास के साथ 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प हमें सिद्ध करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नवीकरणीय ऊर्जा की परियोजनाओं तथा हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा के साथ पर्यावरण सुरक्षा में भी गुजरात ने भागीदारी दर्ज कर नई उपलब्धि हासिल की है। महानगरों के दूषित जल के निस्तारण तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं शहरीजनों को शुद्ध पानी मुहैया कराने के अलावा शहरों को यातायात समस्या से मुक्त करने के लिए अनेक विकास कार्य शुरू किए गए हैं। राजकोट के लिए आवश्यकतानुसार टीपी एवं डीपी स्कीम को मंजूरी देकर महानगर के योजनाबद्ध विकास की मंशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में राजकोट में 187 करोड़ रुपए के 170 कार्यों को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' सूत्र के साथ राज्य के नगरों और महानगरों को शहरी विकास के साथ गतिशील रखने का संकल्प जताया।

परिवहन राज्य मंत्री अरविंद रैयाणी ने कहा कि राज्य सरकार पूरी जिम्मेदारी के साथ नागरिक सेवाओं का दायरा बढ़ाते हुए बुनियादी ढांचा विकास के कार्यों को करने को कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राजकोट में विकास के अनेक कार्य मंजूर किए गए हैं। पहले भी राजकोट में विकास के अनेक कार्यों को पूरा किया गया है और अब सरकार की योजना और अधिक विकास कार्य करने की है। शहरी विकास की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि राजकोट मनपा द्वारा निर्मित लक्ष्मी नगर रेलवे अंडर ब्रिज के चलते अब इस क्षेत्र में शहरीजनों को यातायात समस्या से निजात मिलेगी।

राजकोट महानगर पालिका के महापौर डॉ. प्रदीप डव ने कहा कि राजकोट में लोगों को यातायात जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अंडर एवं ओवर ब्रिज बनाए जा रहे हैं। लक्ष्मी नगर रेलवे ब्रिज का निर्माण यातायात को ध्यान में

रखते हुए जरूरत के अनुसार किया गया है। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी नगर रेलवे अंडर ब्रिज के लोकार्पण से लगभग 5 से 6 लाख लोगों को रोजाना होने वाली ट्रैफिक की समस्या से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान मनपा द्वारा उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवा के संबंध में भी जानकारी दी। विधायक गोविंदभाई पटेल ने कहा राज्य सरकार द्वारा लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। राजकोट मनपा और राज्य सरकार ने शहर को फाटक मुक्त बनाने का आयोजन किया है।

राजकोट मनपा आयुक्त अमित अरोरा ने लक्ष्मी नगर रेलवे अंडर ब्रिज की तकनीकी जानकारी एवं ढांचागत व्यवस्था और लोगों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। राजकोट मनपा ने रेल विभाग के निक्षेप निर्माण कार्य के रूप में चार लेन रेलवे अंडर ब्रिज का निर्माण किया है। यह ब्रिज 7.50 मीटर चौड़ा तथा 4.50 मीटर ऊंचा होने के कारण स्कूल बस और औद्योगिक क्षेत्र के वाहनों की आवाजाही में सुगमता रहेगी। इसके अलावा, राहगीरों एवं साइकिल सवारों के लिए अलग से पाथ-वे बनाया गया है और पानी की निकासी के लिए पर्याप्त व्यव-स्था की गई है।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल गणतंत्र दिवस पर गिर सोमनाथ में देंगे तिरंगे को सलामी

अहमदाबाद ।

इस वर्ष गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन गिर सोमनाथ में आयोजन किया गया है। 26 जनवरी 2022 को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ध्वजारोहण करेंगे। गुजरात विधानसभा की अध्यक्षा नीमाबेन आचार्य मोरबी में तिरंगे को सलामी देंगी। राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिलों में ध्वजारोहण करेंगे। राज्य के कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी आणंद में, जीतु वाघाणी राजकोट में, ऋषिकेश पटेल अहमदाबाद में, पूर्णेश मोदी बनासकांठा में, राघवजी पटेल पोरबंदर, कनुभाई देसाई सूरत, किरीटसिंह राणा भावनगर में, नरेश पटेल वलसाड में, प्रदीप परमार वडोदरा में और पंचमहल में अर्जुनसिंह चौहाण ध्वजारोहण करेंगे। राज्य मंत्रियों में हर्ष संघवी गांधीनगर में, जगदीश पंचाल मेहसाणा में, ब्रिजेश मेरजा जामनगर में, जीतु चौधरी नवसारी में, मनीषा वकील खेडा में, मुकेश पटे तापी में, निमिषा सुथार छोटाउदेपुर, अरविंद रैयाणी जूनागढ़ में, डॉ. कुबेर डिंडोर साबरकांठा में गजेन्द्रसिंह परमार भरुच में, आरसी मकवाणा अमरेली में, विनोद मोरडिया बोटाद में और देवा मालम सुरेन्द्रनगर में होनेवाले गणतंत्र दिवस समारोह राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके अलावा राज्य के दाहोद, नर्मदा, महीसागर, डांग, पाटण, देवभूमि द्वारका और अरवल्ली में संबंधित जिलों के कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे।

भारत के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे और विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी वाला त्वचा क्लिनिक सखिया स्किन क्लिनिक द्वारा सूरत में स्थापित किया गया

सूरत।

परिवर्तन सखिया स्किन क्लिनिक का नियम है और इनोवेशन एक मिशन स्टेटमेंट है। नई तकनीक और नए उपकरणों के साथ सखिया स्किन क्लिनिक ने आज 11वीं मंजिल, इन्फिनिटी टावर, आयुर्वेदिक कॉलेज के पास, रेलवे स्टेशन के पास, सूरत में शिफ्टकिया है।यह क्लिनिक लगभग 10500 वर्ग फुट में फैला हुआ है। सखिया स्किन क्लिनिक की पूरे भारत में 24 शाखाएं हैं, जिनके पास 24सालो का अनुभव हैं और निकट के भविष्य में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 100 शाखाएं खोलने का सपना है। सखिया स्किन क्लिनिक पांच लाख से अधिक मरीजों का इलाज कर चुका है।

सखिया स्किन क्लिनिक के संस्थापकश्री डॉ. जगदीश सखिया ने बताया की,सखिया स्किन क्लिनिक की दृष्टि और मिशन 'पेशन्टफर्स्ट ' है। इस नए पते पर सखिया स्किन कलिनिक विश्वस्तरीय तकनीक से लैस है। इन्फिनिटी टॉवर में सखिया स्किन क्लिनिक में विश्व स्तरीय लेजर तकनीक भी उपलब्ध कराई गई है।इसके अलावा सखिया स्किन क्लीनिक द्वारा इन्फिनिटी टावर की दूसरी मंजिल पर प्लास्टिक सर्जरी डिवीजन शुरू किया गया है। क्लिनिक ने एक विश्व स्तरीय लेजर मशीन के साथ एक वे[illegible]र लाइपो सक्शन शुरू किया है जो अल्ट्रासाउंड तकनीकहै और गुजरात में एकमात्र मशीन है।इस क्लिनिक में वास्क्युलर लेजर तकनीक भी पेश की है जो पश्चिमी भारतमें सिर्फ सखिया स्किन क्लिनिक के पास ही है। इसके अलावा सखिया स्किन क्लीनिक की ओर से टेली डर्मेटोलॉजी क्लीनिक भी शुरू किया गया है। जिसमें त्वचा रोगों से संबंधित उपचार एक कॉल करने से ही घर पर उपलब्ध होगा। टेली डर्मेटोलॉजी के एमडी टेलीडर्म, यूएसए सेवा को आज से अमेरिका में शुरू कर दिया गया है। mdtelederm.com पोर्टल का उद्घाटन आज सूरत शहर की महापौर श्रीमती हेमालीबेन बोघावाला के हाथों किया गया है।जिससे एनआरआई लोगों को दो से तीन महीने के वेटिंग पीरियड से छुटकारा मिल जाएगा और घर बैठे ही प्रिस्क्रिप्शन और डायग्नोसिस सर्विस उपलब्ध होगी। इसके अलावा सखिया स्किन क्लीनिक भी निकट भविष्य में ऑनलाइन फार्मसी शुरू करने जा रहा है। ताकि मरीजों को घर बैठे ही त्वचा रोगों से संबंधित हर तरह की दवाइयां मिल सकें।

सखिया स्किन क्लिनिक एक ऐसा संस्थान है जो एक ही छत के नीचे त्वचा रोग जैसे कि डर्मेटो सर्जरी, एस्थेटिक प्रक्रिया, लेजर और प्लास्टिक सर्जरी आदि जैसे सभी प्रकार के उपचार प्रदान करता है।इसके अलावा एक ही छत के नीचे जटिल त्वचा रोग जैसे सोरायसिस, पंपफिगर्स, एक्जिमा, जिद्दी दादर, एलर्जी, सफेद धब्बे, तजा गर्मी, उन्दरी, कुष्ठ रोग, विरासत में मिली गंजापन, नाखून जैसे रोगों के अलावा 5000 प्रकार के त्वचा रोग होते हैं जो अक्सर लाइलाज होते हैं, जिस रोगों का इलाज सखिया स्किन क्लिनिक में तकनीक की मदद से होता है। इसके अलावा त्वचा में कुछ सर्जरी होती हैं, जिनमें स्कार सर्जरी, विटिलिगो सर्जरी, सिस्टरेमोवेल, लाइपोमा सर्जरी, बर्थमार्क सर्जरी, कैलोसिटी का फैट ट्रांसफर, स्कार रिविसन आदि भी सखिया स्किन क्लिनिक में उपलब्ध हैं।

वापी नगर में स्टॉर्म वॉटर ड्रैनेज योजना के लिए 31.53 करोड़ रुपए के कार्यों को स्वीकृति

अहमदाबाद ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दक्षिण गुजरात के वापी में विभिन्न क्षेत्रों में बरसाती गटर तथा पाइप ड्रैनेज के कार्यों के लिए 31.53 करोड़ रुपए के आवंटन को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। वापी नगर पालिका ने शहरी विकास विभाग के माध्यम से 'स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना' के अंतर्गत वापी नगर में स्टॉर्म वॉटर ड्रैनेज योजना के कार्यों के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष इन 31.53 करोड़ रुपए का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। भूपेंद्र पटेल ने इस प्रस्ताव का अनुमोदन कर वापी नगर पालिका क्षेत्र में कुल 8 वॉर्डों में 44.84 किलोमीटर का नेटवर्क बनाने तथा वर्तमान स्टॉर्म वॉटर ड्रैनेज व्यवस्था का अधिकतम् उपयोग करने के लिए प्रस्तुत हुए कार्यों के (बजट) अनुमानों को अनुमति दी है। तद्अनुसार मुख्यमंत्री ने वापी नगर में स्टॉर्म वॉटर ड्रैनेज के लिए 24.94 करोड़ रुपए सहित ग्राउण्ड वॉटर रिचार्ज कैप्सूल, डिसिल्टिंग एण्ड रिमूवल ऑफ़ एग्ज़ीटिंग पाइप लाइन, रिवैम्पिंग ऑफ़ एग्ज़ीटिंग नैचुरल ड्रेन आदि सहित कुल 7 कार्यों के लिए 31.53 करोड़ रुपए की राशि के इन कार्यों को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)